राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 11 अक्टूबर 2025 वर्ष-8,अंक-232 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उत्तम नगर में तीन मंजिला मकान भरभराकर गिरा, मलबे में दबे कई लोग

नई दिल्ली। दिल्ली के उत्तम नगर के होली चौक के पास शुक्रवार दोपहर एक तीन मंजिला मकान भरभराकर गिर गई। मकान के मलबे में कुछ लोगों के दब गए। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। साथ-साथ राहत बचाव दल मौके पर पहुंचकर मलबा हटाने का काम शुरू कर दिया। कुछ देर बाद राहत बचाव दल ने एक 12 साल की लड़की और एक महिला को मलबे से निकालकर पास के अस्पताल में भर्ती कराया है। लड़की को मामूली चोट लगी है, वहीं महिला बेहोशी की हालत में है। दमकल अधिकारियों का कहना है कि मलबे में फंसे अन्य लोगों को निकालने का काम जारी है।

दिल्ली-एनसीआर में पटाखा बैन, राज्य बोले: बच्चों को दिवाली मनाने दें

दो घंटे ग्रीन पटाखे फोड़ने की परमिशन दी जाए, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों को बनाने और बेचने की परमिशन देने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रखा है। सुनवाई के दौरान दिल्ली-एनसीआर के राज्यों ने कोर्ट से गुजारिश किया कि ग्रीन पटाखों को फोड़ने की परमिशन दी जाए। दिल्ली-एनसीआर के राज्यों की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने चीफ जस्टिस बीआर गवई की बेंच से कहा- बच्चों को कम से कम 2 दिन दिवाली का जश्न मनाने दिया जाए। रात 8 बजे से 10 बजे तक हरे पटाखे फोड़ने की परमिशन दी जाए। इससे पहले 26 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने सर्टिफाइड ग्रीन पटाखे बनाने की मंजूरी दी थी। लेकिन बिना कोर्ट की इजाजत ठउफ में बिक्री न करने की शर्त रखी थी। दिल्ली-एनसीआर में दिल्ली और उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा के 16 जिले आते हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 2020 में पहली बार दिल्ली में पटाखे फोड़ने पर बैन लगाया था। 2024 में दिवाली पर बैन का उल्लघंन होने के बाद कोर्ट ने दिल्ली में सभी तरह के पटाखों के निर्माण, भंडारण, बिक्री और फोड़ने पर रोक लगा दी। 19 दिसंबर 2024 को दिल्ली सरकार ने 2025 के पूरे साल पटाखों पर बैन का नोटिफिकेशन जारी किया था। दिवाली पर हरे पटाखेः रात 8 बजे से 10 बजे तक ग्रीन पटाखे फोड़ने की अनुमति दी जाए।

सिर्फ हरे पटाखेः नेशनल एनवायरमेंट इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (NEERI) की ओर से प्रमाणित ग्रीन पटाखों का ही निर्माण और बिक्री हो। ज्वाइंट पटाखों पर रोकः ज्वाइंट पटाखे या लड़ी पटाखों का निर्माण, बिक्री और उपयोग न हो। लाइसेंस व्यापारीः पटाखों की बिक्री केवल लाइसेंस प्राप्त व्यापारियों के माध्यम से हो और वे केवल हरे पटाखे बेचें। ऑनलाइन बिक्री पर रोकः फ्लिपकार्ट, अमेजन जैसे ई-कॉमर्स वेबसाइट्स पर पटाखों के ऑनलाइन ऑर्डर और बिक्री पर रोक लगे। क्रिसमस और नए साल पर परमिशनः क्रिसमस और नए साल पर रात 11:55 बजे से 12:30 बजे तक ग्रीन पटाखे फोड़ने की परमिशन दी जाए। गुरुपुरब पर समयः गुरुपुरब पर सुबह 4 बजे से 5 बजे और रात 9 बजे से 10 बजे तक हरे पटाखे फोड़ने की अनुमति हो। शादी और अन्य अवसरः शादी और अन्य अवसरों पर हरे पटाखों की बिक्री व उपयोग की परमिशन दी जाए। जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) बीआर गवई, जस्टिस के. विनोद चंद्रन और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने मैन्युफैक्चरर्स के लिए एक शर्त भी रखी थी। बेंच ने कहा था कि वे कोर्ट के अगले आदेश तक ठउफ में कोई भी पटाखा नहीं बेचेंगे।

भारत के खिलाफ अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं होने देंगे

जयशंकर से मुलाकात में बोले अफगानिस्तान के विदेश मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी इस भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। अफगानिस्तान में तालिबन सरकार के बनने के बाद मुत्ताकी की ये पहली भारत की यात्रा है। उन्होंने आज विदेश मंत्री एस जयशंकर से वार्ता की।

इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत और अफगानिस्तान में हमेशा दोस्ती बनी रहेगी। दरअसल, अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी ने शुक्रवार को कहा कि इस्लामिक अमीरात किसी भी ताकत को अन्य देशों के खिलाफ अफगान क्षेत्र को धमकाने या उसका इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देगा। नई दिल्ली में देश मंत्री एस जयशंकर के साथ वार्ता में उन्होंने ये बातें कहीं।अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मुत्ताकी ने एस जयशंकर से

मुलाकात के बाद भारत की जमकर तारीफ की है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि अफगानिस्तान ने कभी भी भारत के खिलाफ बयानबाजी नहीं की है और हमेशा भारत के साथ अच्छे संबंधों को महत्व दिया है। आगे कहा कि अफगानिस्तान आपसी सम्मान, व्यापार और लोगों के बीच आपसी संबंधों पर आधारित संबंध चाहता है। दिल्ली के हैदराबाद हाउस में आयोजित एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बैठक दौरान अपने शुरूआती भाषण में मुत्ताकी ने कहा कि अफगानिस्तान कभी भी किसी को अपने क्षेत्र का इस्तेमाल दूसरों के खिलाफ करने की अनुमति नहीं देगा। आगे कहा कि अमेरिकी कब्जे के दौरान कई उतार-चढ़ाव आए। उस समय हमने कभी भारत के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया। बल्कि, हमने हमेशा भारत के साथ अच्छे संबंध बनाने की कोशिश की। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री ने अपने संबोधन में भारत के साथ अपने देश की दोस्ती की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि किसी भी विकट परिस्थिति में भारत अफगानिस्तान के साथ खड़ा रहा। उन्होंने कहा कि जब अफगानिस्तान में विनाशकारी भूकंप आया था, उस वक्त भारत पहला देश था जिसने मानवीय प्रयासों के साथ प्रतिक्रिया दी। अफगानिस्तान भारत को एक घनिष्ठ मित्र के रूप में देखता है। इसी साल जनवरी के महीने में दुबई में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री समेत अन्य अधिकारियों के साथ अपनी मुलाकात पर भी मुत्ताकी ने प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारे संबंध केवल व्यापार तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि व्यवसाय, संस्कृति, खेल और अन्य संबंधों से भी जुड़े हैं जो हमें एक साथ जोड़ते हैं। मुझे खुशी है कि यहाँ दिल्ली में, हम दोनों देशों के बीच समझ बढ़ाने और अपने संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ने में सक्षम हुए हैं।

धमाके से मकान ढहा, 5 की मौत

अयोध्या। राम मंदिर से करीब 25 किमी दूर पूरा कलंदर थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम धमाके के बाद एक मकान पूरी तरह ढह गया। धमाके की गूंज एक किमी दूर तक सुनाई दी। मलबा 200 मीटर दूर तक बिखर गया। मकान के मलबे में दबकर पिता, दो बेटे, एक बेटी और साली की मौत हो गई। पिता के चीथड़े उड़ गए थे। वहीं, पत्नी लापता है। घटना की जानकारी मिलते ही अधिकारी और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने आसपास के घरों को खाली कराया और लोगों से घटनास्थल से दूर रहने की अपील की है। पुलिस ने शवों को मलबे से बाहर निकाल लिया है। अन्य लोगों के दबे होने की आशंका में खउइ से मलबा हटाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जिस घर में धमाका हुआ है, वहां फटा कुकर और सिलेंडर मिला है। एक साल पहले भी गांव में धमाका हुआ था, जिसमें तीन लोगों की मौत हुई थी।

अब देशभर में एसआईआर करवाएगा चुनाव आयोग

पहले फेज में बंगाल, असम समेत 5 राज्य, इनमें अगले साल विधानसभा चुनाव

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग (EC) बिहार के बाद अब देशभर में फेजवाइज स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी रक्फ (सामान्य शब्दों में वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन) करवाएगा। न्यूज एजेंसी को चुनाव आयोग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। न्यूज एजेंसी के अनुसार, देश में रक्फ की शुरूआत उन राज्यों से होगी, जहां अगले साल 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में पहले फेज में असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट का वेरिफिकेशन होगा। दरअसल, चुनाव आयोग SIR के तहत वोटर लिस्ट की जांच करता है। आयोग के अनुसार, इसका उद्देश्य मतदाता सूची को अपडेट करना और अवैध मतदाताओं, जैसे विदेशी नागरिकों, मृत व्यक्तियों या स्थानांतरित लोगों को हटाना है। मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार ने 6 अक्टूबर को कहा था कि सभी राज्यों में SIR शुरू करने का काम

चल रहा है। इसके रोलआउट पर अंतिम फैसला चुनाव आयोग लेगा। तीनों आयुक्त राज्यों के लिए SIR शुरू करने की तारीखों पर फैसला लेने के लिए मिलेंगे। बिहार विधानसभा चुनावों की घोषणा करते हुए CEC कुमार ने 24 जून को बिहार SIR शुरू करते समय अखिल भारतीय रक्फ की योजना की घोषणा की थी। चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के लिए 2 तरीके बताए... पहलाः बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) घर-घर, एक प्री-फील्ड फॉर्म गणना प्रपत्र (मतदाता की जानकारी और दस्तावेज) लेकर जाएंगे। दूसराः कोई भी व्यक्ति चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जाकर यह फॉर्म डाउनलोड करके उसे भर सकता है। बिहार में वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन का विपक्ष ने विरोध किया। 9 जुलाई को वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन को लेकर बिहार में महागठबंधन ने बंद का आह्वान बुलाया था। इस दौरान 7 शहरों में ट्रेनें रोकीं गईं और 12 नेशनल हाईवे जाम किए गए। पटना में राहुल गांधी ने कहा था- महाराष्ट्र का चुनाव चोरी किया गया था और वैसे ही बिहार को चुनाव चोरी करने की कोशिश की जा रही है। उन्हें पता है कि हमने महाराष्ट्र मॉडल समझ लिया इसलिए वे बिहार मॉडल लाए हैं। ये गरीबों के वोट छीनने का तरीका है।'

सीजेआई पर जूता फेंकने वाले वकील बोले: मुस्लिम पीटते

सनातन के अपमान पर और चुप नहीं रह सकता, क्लाइंट-पैसा सब गया

एजेंसी

नई दिल्ली। '90 के दशक की बात है। मेरी पत्नी मुरादाबाद की एक यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर थीं। हम वहीं रहते थे। वहां मुस्लिम आबादी काफी ज्यादा है। उस वक्त शाम होने के बाद औरतों को घर से बाहर नहीं ले जा सकते थे। माहौल ऐसा था कि अगर मुस्लिम कम्युनिटी के किसी व्यक्ति की बकरी से मेरी स्कूटर छू भी जाती तो वो मुझे उतारकर मारते-पीटते और पत्नी को उठा ले जाते। वहां ऐसा अक्सर होता था।' जस्टिस बीआर गवई की तरफ जूता फेंकने वाले एडवोकेट राकेश किशोर अपनी जिंदगी से जुड़े इस किस्से से मुस्लिमों के प्रति अपनी सालों पुरानी नाराजगी जता देते हैं। वे कहते हैं कि जस्टिस गवई ने भी हिंदू देवी-देवताओं और सनातन धर्म का अपमान किया है, इस पर मैं चुप नहीं रह सकता था। 16 सितंबर को उखक गवई ने खजुराहो में भगवान विष्णु की खंडित मूर्ति की बहाली की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी। इसके विरोध में 6 अक्टूबर को राकेश ने सुप्रीम कोर्ट के अंदर उखक गवई पर जूता फेंकने की कोशिश की। जूता उखक तक नहीं पहुंच सका। सुरक्षाकर्मियों ने राकेश को पकड़कर बाहर कर दिया। इस दौरान उसने नारे लगाए- 'सनातन का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान।' इस घटना के बाद सुप्रीम कोर्ट बार

एसोसिएशन (SCBA) ने वकील राकेश किशोर (72) का लाइसेंस 9 अक्टूबर को तत्काल प्रभाव से कैंसिल कर दिया। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (इउक) ने भी उन्हें सस्पेंड कर दिया है। राकेश बिना जांच सस्पेंशन पर सवाल उठाते हुए कहते हैं कि मुझे इससे काफी नुकसान हुआ। मेरे क्लाइंट्स अपना पैसा और केस दोनों वापस ले रहे हैं। आरोपी वकील राकेश किशोर से बात कर पूरा मामला समझा और बार काउंसिल ऑफ इंडिया का भी पक्ष जाना। जूता फेंकने की घटना के बारे में पूछने पर आरोपी एडवोकेट राकेश किशोर बड़ी बेबाकी से कहते हैं, 'जिस दिन ये कांड हुआ, उस दिन कोर्ट में मेरा कोई केस नहीं था। मैं सिर्फ इसी काम के लिए पहुंचा था क्योंकि क्या सही है और क्या गलत, इसे लेकर मेरे अंदर कई सवाल थे। कोई शक्ति थी जो लगातार मुझसे पूछ रही थी कि जब सनातनियों का अपमान हुआ, तब भी मैं चुप क्यों रहा।' '16 सितंबर को जस्टिस गवई ने पहले 100 करोड़ लोगों की आस्था वाले हिंदू धर्म और सनातन धर्म के साथ हिंसा की। उन्होंने हमारे प्रभु विष्णु का अपमान किया और मजाक उड़ाया। मैंने ये सब उसके जवाब में किया।' याद रखना चाहिए कि पहली हिंसा उनकी तरफ से हुई, मेरी तरफ से नहीं। पूरे कांड में एक्शन तो जस्टिस गवई का था, मैंने सिर्फ रिएक्शन दिया था। वे आगे कहते हैं, 'हिंसा दो तरह से होती है। एक हिंसा दिखाई देती है और एक दिखाई नहीं देती। पहली हिंसा ये होती है कि कोई छुरी आपकी तरफ कर दे और कहे कि ये काम करो नहीं तो इसे छाती में घोप दूंगा। दूसरी हिंसा वो होती है, जिसमें कोई व्यक्ति छुरे को अपनी तरफ कर ले और कहे कि ये काम करो नहीं तो जान दे दूंगा। मैं समझाना चाहता हूं कि पहली वाली हिंसा हिंदू धर्म के साथ हुई। गवई साहब ने हमारे देवी-देवताओं का अपमान किया।' राकेश सवाल करते हुए कहते हैं, 'गवई साहब ने कहा कि विष्णु भगवान से कहो कि वो अपनी मूर्ति खुद बनवा लें। क्या ऐसा कमेंट किसी और धर्म के लिए कोई जज या जस्टिस करेगा? ऐसा इसलिए क्योंकि हिंदू धर्म सॉफ्ट टारगेट है।' एडवोकेट राकेश किशोर कहते हैं, 'मैं बरेली में पैदा हुआ और वहीं पला-बढ़ा। मैंने जमीनों पर कब्जा होते देखा है। जिस व्यक्ति के खिलाफ बुलडोजर एक्शन हो रहा है, उसके बारे में कौन नहीं जानता। और गवई साहब मॉरीशस में कहते हैं कि देश बुलडोजर से नहीं चलेगा।

लेह में हिंसा के 16 दिन बाद भी हालात खराब

एजेंसी

लेह। साल के करीब 7-8 महीने पर्यटकों से भरा रहने वाला लेह का मुख्य बाजार सूना पड़ा है। होटल खाली हैं। 5 से 10 हजार वाले रूम 500 से 1 हजार रुपए के मामूली किराए में भी नहीं भर रहे। टैक्सी स्टैंड पर गाड़ियां खाली खड़ी हैं। जितने टूरिस्ट अभी यहां हैं, उससे 10 गुना ज्यादा सुरक्षाकर्मी पहरा दे रहे हैं। इंटरनेट बंद है। हमने ऐसी जिंदगी पहले कभी नहीं जी। हिंसा ने हमारे सीजन की खुशियां छीन लीं। और उप राज्यपाल दावा कर रहे हैं कि लेह में सब नॉर्मल है। जो हालात हैं, उसे हमारे लिए नॉर्मल नहीं कह सकते। यह बात जब रिगजिन

वाग्मो लेचिक बोल रही थीं, तब उनकी आंखों में आंसू थे। लेचिक ऑल लद्दाख होटल एंड गेस्ट हाउस एसोसिएशन लेह की अध्यक्ष भी हैं। लेचिक ने बताया कि पहलगाम की घटना ने 50% टूरिस्ट को नुकसान पहुंचाया था, लेह की हिंसा में यह बढ़कर 80% हो गया है। 2000 गेस्टहाउस, होटल्स खाली पड़े हैं। लद्दाख की कुल जीडीपी में पर्यटन का हिस्सा 50% है। अक्टूबर में हम अगले मार्च-अप्रैल की बुकिंग शुरू कर देते थे, लेकिन इस बार एक भी प्री-बुकिंग नहीं है। अगले कुछ दिन में बफीर्ली ठंड शुरू होते ही यहां सबकुछ बंद हो जाएगा। हम आज नहीं कमाएंगे तो अगले छह महीने गुजारा कैसे करेंगे? लद्दाख की राजधानी लेह में स्थानीय लोगों के विरोध के बाद इंटरनेट सेवा गुरुवार रात बहाल कर दी गई। हालांकि, इसका कोई ऑर्डर जारी नहीं हुआ। वहीं, कलेक्टर ने सोशल मीडिया पर फेक न्यूज फैलाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। बीते 24 सितंबर को हिंसा के बाद इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई थी। 24 सितंबर से पूरे लेह में यही हाल है। सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के अनशन के बीच हुई हिंसा ने लेह की शांति छीन ली।

दवा कंपनी मालिक पर कोर्ट में हमले की कोशिश

एजेंसी

छिंदवाड़ा । मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में कफ सिरप से 25 बच्चों की मौत के मामले में पकड़े गए दवा कंपनी मालिक गोविंदन रंगनाथन को शुक्रवार को परासिया कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान उन पर हमले की कोशिश की गई। लोगों और वकीलों ने हत्यारे को फांसी देने की मांग की। आरोपी रंगनाथन को प्रथम श्रेणी न्यायाधीश शैलेंद्र उइके की कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उन्हें 10 दिन की रिमांड पर सौंपा है। इससे पहले मध्य प्रदेश सरकार द्वारा विशेष जांच दल (SIT) सुबह 11 बजे रंगनाथन को लेकर परासिया

पहुंचा था। उसे परासिया थाने में में रखा गया था। रंगनाथन की कंपनी श्रीसन फार्मास्युटिकल में बना कप सिरप पीने से छिंदवाड़ा, बैतूल और पांढुर्णा में अब तक 25 बच्चों की मौत हो चुकी है। कुछ बच्चों का नागपुर में इलाज चल रहा है। इधर, परासिया अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्याम कुमार साहू ने कहा- जिले का कोई भी अधिवक्ता ऐसे आरोपी की पैरवी नहीं करेगा।

'जब मैंने अंतरिक्ष से भारत को देखा...'

शुभांशु शुक्ला ने छात्रों को बताई दिल की बात

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) पर पहुंचने वाले पहले भारतीय शुभांशु शुक्ला ने कहा है कि जब कोई अंतरिक्ष में जाने के लिए धरती छोड़ता है, तो पृथ्वी उसकी पहचान बन जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि अंतरिक्ष में अब राष्ट्रीयता का नहीं, बल्कि मानवता का सवाल है। शुभांशु शुक्ला ने यह बात छात्रों को वर्चुअली संबोधित करते हुए कही। दरअसल, शुभांशु शुक्ला भारतीय विद्यालय प्रमाणपत्र परीक्षा परिषद से संबद्ध स्कूलों के छात्रों से वर्चुअली संवाद कर रहे थे। गोवा में मौजूद शुभांशु शुक्ला ने कहा कि अंतरिक्ष में राष्ट्रीयता मायने नहीं रखती, क्योंकि मानवता सर्वोपरि है। अंतरिक्ष स्टेशन में अपने अनुभवों को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि स्टेशन से बाहर देखने पर ऐसा लगा जैसे किसी ऐसे दफ्तर में हों, जहां से सबसे अच्छा दृश्य दिखाई दे रहा हो। शुभांशु शुक्ला ने "प्रज्वलित मन, सीमाओं की खोज करनाः अंतरिक्ष, शिक्षा और उद्योग का अभिसरण" शीर्षक वाले सत्र में हिस्सा लिया, जहां स्पेस स्टेशन को लेकर बताया कि यह बहुत ही आकर्षक था। संवाद सत्र के दौरान उन्होंने कहा कि इस दुनिया में लोगों

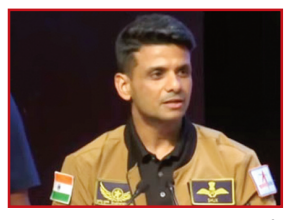

की अलग-अलग पहचान हो सकती है, लेकिन जब कोई अंतरिक्ष में होता है तो वे धुंधली हो जाती हैं। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि, "जब आप बच्चे होते हैं और स्कूल जाते हैं, तो हमारा घर और माता-पिता हमारी पहचान बन जाते हैं। जब हम कॉलेज जाते हैं, तो कॉलेज हमारी पहचान बन जाता है। जब आप शहर छोड़कर दूसरी जगह जाते हैं, तो वह शहर आपकी पहचान बन जाता है। जब आप विदेश जाते हैं, तो आपका देश आपकी पहचान बन जाता है।" उन्होंने आगे कहा कि, "जब मैं अमेरिका में (अंतरिक्ष मिशन के लिए) ट्रेनिंग ले रहा था, तो मेरा देश मेरी पहचान था। जब आप इस ग्रह को छोड़ते हैं, तो आपका ग्रह आपकी पहचान बन जाता है। यह एक ऐसा गहरा एहसास होता है कि पूरी पृथ्वी ही आपका घर बन जाती है।" शुभांशु शुक्ला ने कहा कि आप किसी खास महाद्वीप, किसी खास देश, किसी खास क्षेत्र या जहां आप रहते हैं, उस पर ध्यान केंद्रित नहीं करते। आप बस पृथ्वी को देखते हैं और कहते हैं मैं यहीं रहता हूं। उन्होंने साफ किया कि अंतरिक्ष में राष्ट्रीयता मायने नहीं रखती, क्योंकि मानवता सर्वोपरि है। उन्होंने 1984 में भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा द्वारा तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से कही गई प्रसिद्ध पंक्ति "सारे जहां से अच्छा" को याद किया। और कहा कि अब मैं उनकी भावना और उन्हें यह कहने के लिए प्रेरित करने वाली बात को पूरी तरह समझता हूं। शुक्ला ने छात्रों को बताया कि जब कोई ऊपर से पृथ्वी को देखता है, तो उसका नजरिया बदल जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

समाज में परिवर्तन की वाहक बने बालिकाएं

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

(11 अक्टूबर अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस)

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित एक अंतर्राष्ट्रीय पालन दिवस है। 11 अक्टूबर 2012 को पहली बार बालिका दिवस मनाया गया था। तब से हर वर्ष 11 अक्टूबर को पूरी दुनियां में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस दुनिया भर में लड़कियों द्वारा उनके लिंग के आधार पर सामना की जाने वाली लैंगिक असमानता के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। इस असमानता में शिक्षा, पोषण, कानूनी अधिकार, चिकित्सा देखभाल और भेदभाव से सुरक्षा, महिलाओं के खिलाफ हिंसा और जबरन बाल विवाह जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस 2025 की थीम है मैं लड़की हूं, मैं बदलाव का नेतृत्व करती हूं। संकट की अग्रिम पंक्ति में लड़कियां। यह थीम संकट की परिस्थितियों में लड़कियों की दृढ़ता, नेतृत्व और सशक्त भूमिका पर केंद्रित है। यह थीम उन चुनौतियों पर प्रकाश डालती है जिनका सामना बालिकाएं करती हैं। जैसे संघर्ष, जलवायु परिवर्तन और असमानताएं। यह थीम बालिकाओं को केवल संकट के शिकार के रूप में नहीं बल्कि परिवर्तन के वाहक के रूप में पहचानने पर जोर देती है। यह थीम शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा में निवेश का आह्वान करती है ताकि वे बेहतर और समावेशी दुनिया का निर्माण कर सकें।

आज हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढने के बावजूद भी वह अनेको कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियों उनके आगे बढने में बाधाएं उत्पन्न करती है। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। देश में आज भी प्रतिवर्ष लाखों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही कोख में मार दिया जाता है। आज भी समाज के अनेक घरों में बेटा, बेटी में भेद किया जाता है। बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती है। समाज में आज भी बेटियो को बोझ समझा जाता है।

भारत में हर साल तीन से सात लाख कन्या भ्रूण नष्ट कर दिये जाते हैं। इसलिए यहां महिलाओं से पुरुषो की संख्या 5 करोड़ ज्यादा है। समाज में निरंतर परिवर्तन और कार्य बल में महिलाओं की बढ़ती भूमिका के बावजूद रूढिवादी विचारधारा के लोग मानते हैं कि बेटा बुढ़ापे का सहारा होगा और बेटी हुई तो वह अपने घर चली जायेगी। बेटा अगर मुखाग्नि नहीं देगा तो कर्मकांड पूरा नहीं होगा।

पिछले कुछ वर्षों में देश में जन्म के समय लिंगानुपात में बढ़ोतरी होना शुभ संकेत हैं। संसद में एक सवाल का जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया था कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना ने बालिकाओं के अधिकारों को स्वीकार करने के लिए जनता की मानसिकता को बदलने की दिशा में सामूहिक चेतना जगाई है। यह राष्ट्रीय स्तर पर जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) में 12 अंकों के सुधार के रूप में परिलक्षित होता है। जो कि 2014 में 918 था। जबकि 2023-24 में 12 अंक बढ़कर 930 हो गया।

हमारे देश में यह एक बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं। लेकिन जब हमारे खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा देखा जा सकता है। देश के कई प्रदेशों में तो बालिकाओं के जन्म को अभिशाप तक माना जाता है। लेकिन बालिकाओं को अभिशाप मानने वाले लोग यह क्यों भूल जाते हैं कि वह उस देश के नागरिक हैं जहां रानी लक्ष्मीबाई जैसी विरांगनाओं ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे।

हमारे यहां आज भी बेटी पैदा होते ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिन्ता होने लगती है। आज महंगी होती शादियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर चिंतित नजर आता है कि उसकी बेटी की शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्याप्त इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पायी है। कोख में कन्याओ को मार देने के कारण समाज में आज लड़कियों की काफी कमी होने से लिंगानुपात गड़बड़ा गया है।

हमारे यहां आज भी बेटी पैदा होते ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिन्ता होने लगती है। आज महंगी होती शादियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर चिंतित नजर आता है कि उसकी बेटी की शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्याप्त इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पायी है। कोख में कन्याओ को मार देने के कारण समाज में आज लड़कियों की काफी कमी होने से लिंगानुपात गड़बड़ा गया है।

अगर समाज में बेटियों को उचित शिक्षा और सम्मान मिले तो बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नही रहेगी। इसलिए यदि यह कहा जाय की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना नही हम सबकी एक जिम्मेदारी है तो इसमें कुछ गलत नही है। यदि हम सभी एक अच्छे समाज का निर्माण करना चाहते है तो हम सबका यही फर्ज बनता है हम बेटियों को भी भयमुक्त वातावरण में पढ़ाये। उन्हें इतना सशक्त बनाये की खुद गर्व से कह सके की देखो वह हमारी बेटी है जो इतना बड़ा काम कर रही है।

आज लड़किया लड़को से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। कठिन से कठिन कार्य लड़किया सफलतापूर्वक कर रही हैं। देश में हर क्षेत्र में महिला शक्ति को पूरी हिम्मत से काम करते देखा जा सकता है। लड़कियों ने अपने काम और समर्पण के दम पर कई क्षेत्रों और क्षेत्रों में खुद को साबित किया है। वे अधिक प्रतिभाशाली, आज्ञाकारी, मेहनती और परिवार और अपने जीवन के लिए जिम्मेदार हैं। लड़कियां अपने परिवार और माता-पिता के प्रति अधिक देखभाल करने वाली और प्यार करने वाली होती हैं और वे हर काम में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देती हैं। देश की अर्थव्यवस्था में भी महिलाओं का अहम योगदान है। वे श्रम शक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और व्यवसायों की वृद्धि और विकास में योगदान देती हैं।

एक तरफ जहां बेटी को जन्मते ही मरने के लिये लावारिश छोड़ दिया जाता है। वहीं झुंझुनू जिले की मोहना सिंह जैसी बालिकायें भी है जो आज देश में फाईटर प्लेन उड़ा कर पूरे देश में जिले का मान बढ़ा रही हैं। समाज में सभी को मिलकर लडका-लडकी में भेद नहीं करने व समाज के लोगों को लिंग समानता के बारे में जागरूक करने की प्रतिज्ञा लेनी चाहिए। देश में बालिकाओं के साथ हर दिन बलात्कार, प्रताडना की घटनायें अखबारो की सुर्खिया बनती हैं। बालिकायें कही भी अपने को सुरक्षित नहीं समझती हैं। चाहे घर हो या स्कूल अथवा कार्य स्थल। हर जगह वहशी भेडिये उन पर नजरे गड़ायें रहते हैं। उन्हे जब भी मौका मिलता है नोंच डालते हैं। ऐसे माहौल में देश की बालिकायें कैसे आगे बढ़ पायेगीं।

समाज के पढ़े लिखे लोगों को आगे आकर कन्या भ्रूण हत्या जैसे घिनोने कार्य को रोकने का माहौल बनाना होगा। ऐसा करने वाले लोगों को समझा कर उनकी सोच में बदलाव लाना होगा। लोगों को इस बात का संकल्प लेना होगा कि ना तो गर्भ में कन्या की हत्या करेगें ना ही किसी को करने देगें। तभी देश में कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लग पाना संभव हो पायेगा। सरकार व समाज को मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण करने का प्रयास करना चाहिये जिसमें बालिकायें खुद को महफूज समझ सकें। समाज और राष्ट्र के विकास के लिए बालिकाओं के महत्व को स्वीकार करना और बढ़ावा देना आवश्यक है।

हम सभी जानते हैं कि एक लड़की समाज के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। वह एक मा, एक बेटी, एक पत्नी इस तरह कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाती है। उसे घर की शांति बनाए रखने वाली स्तंभ माना जाता है और फिर भी उसका अपमान किया जाता है। स्त्रियां ही संतति की परम्परा में मुख्य भूमिका निभाती है फिर भी प्राचीन समाज से लेकर आधुनिक कहे जाने वाले समाज तक स्त्रियां उपेक्षित ही रही है। हमारे समाज का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम आज अपनी बच्चियों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं और उन्हें कितना महत्व देते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कानूनी सुरक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण के माध्यम से बालिकाओं को सशक्त बनाना न केवल एक नैतिक दायित्व है बल्कि सामाजिक विकास के लिए एक जरूरी आवश्यकता भी है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लड़कियों को आगे बढ़ने, सीखने के समान अवसर मिले। तभी हम एक संतुलित, न्यायसंगत और समृद्ध समाज बना सकेगें।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

संपादकीय

रिश्तों में नई ऊर्जा

ऐसे वक्त में जब अमेरिका ने निरंकुश टैरिफ थोपने व भारत के हितों पर कुठाराघात की नीति अख्तियार की हुई है, ब्रिटेन के साथ रक्षा व कारोबारी रिश्तों में नई शुरुआत उम्मीद जगाने वाली है। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते का सिरे चढ़ना दोनों पक्षों के हित में बताया जा रहा है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की भारत की पहली आधिकारिक यात्रा को नई दिल्ली और लंदन के संबंधों में एक नये सिरे से बदलाव का प्रतीक बताया जा रहा है। मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात के प्रतीकात्मक और व्यावहारिकता की दृष्टि से गहरे निहितार्थ हैं। इस यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण समझौते इस यात्रा के महत्व को रेखांकित करते हैं। जिसमें 468 मिलियन डॉलर का मिसाइल सौदा, मुक्त व्यापार समझौते यानी एफटीए के शीघ्र क्रियान्वयन के लिये प्रतिबद्धता तथा भारत में नौ ब्रिटिश विश्वविद्यालय खोलने पर सहमत होना शामिल है। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा भी है कि इस रिश्ते में 'एक नई ऊर्जा है', जो व्यापार, प्रौद्योगिकी और प्रतिभा का समन्वय चाहती है। हालांकि, मुक्त व्यापार समझौते का मूल्यांकन, इसके प्रतीकात्मक मूल्य के बजाय इसके वास्तविक आर्थिक प्रभाव के आधार पर किया जाना चाहिए। मुक्त व्यापार समझौते के क्रियान्वयन के बाद भारत के लिये ब्रिटिश बाजार तक भारतीय कपड़ों, दवा और सेवाओं, विशेष रूप से आईटी और फिनटेक के निर्यात को बढ़ावा मिल सकता है। लेकिन वहीं दूसरी ओर मुक्त व्यापार समझौते के क्रियान्वयन को लेकर कुछ चिंताएं भी मौजूद हैं। मसलन छोटे और मध्यम उद्यमों के सामने सस्ते ब्रिटिश आयातों से कमजोर होने या नियामक विषमताओं का सामना करने की आशंका बनी हुई है। इसमें दो राय नहीं है कि एफटीए के फलस्वरूप, ब्रेक्सिट के बाद ब्रिटेन के लिये, भारत एक अनिश्चित वैश्विक अर्थव्यवस्था के बीच विकास का एक लाभप्रद अवसर और एक स्थिर अर्थव्यवस्था वाला मजबूत साझेदार का मिलना है। लेकिन इसके बावजूद मुक्त व्यापार समझौते के क्रियान्वयन में भारतीय हितों की रक्षा के लिये सतर्क पहल की जरूरत भी महसूस की जा रही है। वैसे यह भी तथ्य है कि अनुसंधान, डिजिटल नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा में पारस्परिक निवेश की कसौटी पर ही दोनों देशों के रिश्तों की असली परीक्षा होगी। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि भारतीय पेशेवरों या छात्रों के लिए वीजा मानदंडों में ढील देने से स्टारमर का स्पष्ट इनकार करना इस बहुप्रचारित साझेदारी की सार्थकता को लेकर सवाल पैदा कर सकता है। यह विडंबना ही है कि ब्रिटेन कुछ मुद्दों को लेकर दोहरा मापदंड अपना रहा है। एक ओर ब्रिटेन जहां भारतीय बाजार में अपनी पहुंच बनाना और साथ ही तकनीकी सहयोग तो पाना चाहता है, लेकिन वहीं वह श्रम की गतिशीलता को लेकर सतर्क बना हुआ है, जो कि ब्रिटेन के साथ भारत के आर्थिक और शैक्षिक जुड़ाव का एक केंद्रीय मुद्दा बना रहा है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि यदि प्रतिभाओं का आदान-प्रदान एकतरफा ही रहेगा, तो पारस्परिक लाभ पर साझेदारी फल-फूल नहीं सकती। निर्विवाद रूप से यह तथ्य तार्किक है कि मुक्त व्यापार समझौते की राह अभी भी बाधाओं से पूरी तरह से मुक्त नहीं हो पायी है। उल्लेखनीय है कि टैरिफ, बौद्धिक संपदा और श्रम गतिशीलता के मुद्दे पर मतभेद अभी भी बने हुए हैं। वहीं दूसरी ओर मूल्य आधारित कूटनीति पर भारतीय प्राथमिकता को लेकर दोनों देशों में मतभेद सामने आ सकते हैं। साथ ही यह भी जरूरी है कि दोनों पक्षों को पुरानी कसक से प्रेरित कूटनीति से आगे बढ़ने की जरूरत होगी।

समाज को मासूम कलियों को रौंदने से बचाना होगा?

(लेखक- नरेंद्र भारती)

(अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर विशेष लेख 11 अक्टूबर पर विशेष)

बेशक प्रत्येक वर्ष 11 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के रुप में मनाया जा रहा है मगर ऐसे आयोजन केवल मात्र औपचारिकता भर रह गए हैं। केवल मात्र एक दिन पूरे विश्व में बालिकाओं की सुरक्षा के दावे किए जातें हैं संकल्प लिए जाते हैं उसके बाद 364 दिनों तक मासूम कलियों को रौदा जाता है। समूचे विश्व में बालिका दिवस पर भाषण प्रतियोगिताएं करवाई जाती हैं,सैमीनार लगाए जातें हैं ,कवि सम्मेलन आयोजित किए जाते हैं।मगर सुधार शून्य ही रहता है।अगर सही मायनों में बालिकाओं को सुरक्षित बनाना है तो समाज के हर वर्ग को इसमें सहयोग देना होगा तभी ऐसें आयेजन सफल हो सकते हैं अन्यथा सुधार संम्भव नही हो सकता। आज पूरे विश्व में बालिकाओं की स्थिती बहुत ही दयनीय होती जा रही है। समाज में बालिकाओं पर अत्याचार हो रहे हैं उनसे दुष्कर्म किए जा रहे हैं मासूम कलियों की हत्याएं की जा रही है। कन्या भ्रूण हत्याएं हो रही है लिंग अनुपात घटता जा रहा है। मंदिरों ,झाड़ियों में नवजात शिशु फैके जा रहे है जिनमें अधिकांश लडकियां होती है। समाज किस ओर जा रहा है वह यह क्यों नहीं सोचता कि जिसने उसे जन्म दिया वह भी एक लड़की ही थी।कन्या भ्रूण हत्या के लिए समाज जिम्मेवार है।आज लड़कियां हर क्षेत्र में अपना नाम चमका रही है हर शिखर पर परचम लहरा पही है। आज धरती से लेकर आकाश तक बेटियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाकर समाज को बता दिया कि हम किसी से कम नहीं है। आज बेटियां एवरेस्ट पर्वत पर पहुच रही है ,हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही है।वंश परपरा की खातिर कोख में ही कत्ल किए जा रहे है। आज भले ही मानव 21वीं सदी में पहुच चुका है मगर उसकी सोच में कोई बदलाव नहीं आया है।इतिहास गवाह है कि देश में लड़कियों ने शिक्षा, राजनीति,से लेकर हर क्षेत्र में सफलता की इबारतें लिखी हैं।आज सरकारों द्वारा बेटी है अनमोल जैसे कार्यक्रम चलाए जा रहे है मगर कुछ तथाकथित दकियानूसी सोच रखने वाले लोगों के कारण ऐसे कार्यक्रमों पर बटटा लग रहा है जो लड़के की चाहत में ऐसे घिनौने कार्य कर रहे हैं ऐसे लोगों को कसाई कहना चाहिए जो जानबूझ कर ऐसे रुह कंपा देनं वाले कार्यो को बेखौफ होकर अंजाम दे रहे है।समाज को ऐसें लोगो को बहिष्कृत करना चाहिए जो लड़कियों के जन्म पर मातम मनाते हैं। समाज के लोग गैर जिमेदार होते जा रहे हैं क्योकि समाज में कोई इन घटनाओं को रोकने के लिए आगे नही आ रहा है।

अगर समाज जागरुक हो जाएगा तो इस पर रोक लग सकती है।आज भारत में ऐसे मामलों में इजाफा हो रहा है। ऐसी घटनाएं सभ्य समाज का अभिशाप बनती जा रही हैं। कन्या भ्रूण हत्या एक अपराध है मगर लोग निडर होकर बच्चियों को कूडेदानों व सुनसान जगहो पर फैंक रहे है यह पतन की पराकाष्ठा है अगर समय रहते इन घिनौने कार्य पर रोक नहीं लगाई तो आने वाला कल बहुत ही विनाशकारी होगा।ऐसी वारदातो से समाज का अहित होता है। यह एक चिन्ता का विषय बनता जा रहा है समाज के बुद्धिजीविओं को बालिकाओं केा बचाने के लिए चिंतन करना चाहिए।बेटा-बेटी के अन्तर को खत्म करना होगा। अगर हर मां-बाप यह सोच रखें की उसकी जो भी संतान होगी चाहे लड़का हो या लड़की उसका कत्ल नहीं किया जाएगा तो लिंग अनुपात में सुधार हो सकता है मगर समाज के लोगों को यह बात कौन समझायगा लोग अपनी मनमानी करते है अगर समाज के लोग सक्रिय हो जाएं जो इन लोगों पर नजर रखी जा सकती है जो लिंग जांच करवाने के बाद बेटियों का बेरहमी से कत्ल करवाते है समय-समय पर देश के राज्यों से ऐसे समाचार आते रहतें है ऐसे क्लिनिक चलाने वाले डाक्टरों को सजा ए मौत देनी चाहिए जो ऐसें नीच काम करते हैं । ऐसे लोगों को जल्लाद कहना गलत नहीं होगा जो जानबूझर अजन्मी कन्ययओं मौत के घाट उतार रहे हैं ।चंद मुठठी भर लोग समाज का वातावरण खराब कर रहे है। समाज में गरीब लोग मेहनत मजदूरी करके अपनी बच्चियों का पालन-पोषण कर रहे है ऐसे घिनौने कार्यों को सरमाएदार लोग ही अंजाम देते है। क्योकि अमीर लोगों पर कोई उगली नही उठाता।बेटियों को कोख में ही खत्म करवाने वाले राक्षसो को सूली पर टांगना चाहिए।समाज के यही तथाकथित अमीर लोग नवरात्रों में कंजको को पूजते है मगर एक दिन पूजा करे इनके पाप नही घुल सकते क्योकि इनके पापों की सजा खुदा जरुर देगा।महिलाओं को भी इस को रोकने के लिए आगे आना होगा ऐसे लोगो को सजा दिलवानी होगी। अगर महिलाएं इसके विरुद्ध खड़ी हो जाए तो इन पर पूर्ण रुप से रोक लग सकती है।मगर वंश परंपरा के कारण कई महिलाएं भी दोषी है।केन्द्र सरकार को इन मामलो पर संज्ञान लेना होगा। आज की बालिका कल की स्त्री है उसके बगैर समाज की कल्पना नहीं जा सकती।समाज को जागरुक करने के लिए सरकार को संचार माध्यमों से अभियान चलाना होगा ताकि लोगों को जागृत किया जा सके ।प्रत्येक शहर व गांवों में शिविर लगाने चाहिए। अगर यह सिलसिला ऐसे ही बदस्तूर चलता रहा तो आने वाला समय इतना भंयकर हो जाएगा कि अराजकता फैल जाएगी जब चारों तरफ बालिकाओ का चीरहरण होगा। अगर समाज का हर आदमी जागरुक हो जाएगा तभी बालिकाओं को बचाया जा सकता है और तभी ऐसे बालिका दिवस सार्थक होगें।अगर अब भी लापरवाही बरती जो एक दिन बालिकाओं का आस्तित्व मिट जाएगा फिर पछताने के सिवाए कुछ हासिल नही होगा। विश्व के देशों को इस विकराल हो रही समस्या पर लगाम लगाने के लिए सामूहिक रुप से विचार विर्मश करना होगा तभी बालिकाओं को बचाया जा सकता है।अतः समय जागने का है।आओ हम सब एकजुट होकर बालिकाओं को बचाने का संकल्प लें।बालिकाओं को बचाना हर भारतवासी का नैतिक कर्तव्य है।

सुखी रहने के लिए लें धर्म की शरण!

दुनिया का हर व्यक्ति केवल सुख ही चाहता है। दुख से सब दूर भागते हैं। यदि हमें सुखी रहना है तो सबसे पहले धर्म से जुड़ना होगा। किसी के मन को दुखाना भी पाप है। भागदौड़ भरी जिंदगी में आज हर व्यक्ति विवेक नहीं रख पाता है। इसलिए पाप बंध को बांधता चला जाता है और पाप बंधने के कारण सुखी नहीं हो पाता। इसलिए सुखी रहने के लिए धर्म की शरण में जाकर धर्म के मर्म को समझना होगा। धर्म की शुरुआत व्यक्ति को सबसे पहले अपने घर से ही करना चाहिए। यदि हम विवेकपूर्ण जीवन जिएंगे तो पाप से बच पाएंगे और जो पाप से बच पाएगा, वहीं सही मायनों में धर्म से भी जुड़ पाएगा। मर्यादाओं को भंग करना पाप की श्रेणी में आता है। इसी तरह किसी के मन को दुखाना भी पाप है। हमें अपने जीवन काल में सुख प्राप्ति के लिए जिनवाणी को आचरण में उतारना होगा, क्योंकि जिनवाणी अमृत रूप है। हमारा सौभाग्य है कि हमें जिनवाणी श्रवण का सुअवसर मिला है। जीवन में यदि सुख प्राप्त करना है तो जिनवाणी को आचरण में उतारना होगा। धर्म आधारित जीवन जीते हुए ही मनुष्य वैराग्य की ओर अग्रसर हो सकता है। संपूर्ण जीवन लोभ, मोह, मद, मान और माया में ही व्यतीत हो जाता है और प्रभु आराधना का समय ही नहीं मिल पाता तथा व्यक्ति संसार से प्रस्थान भी कर जाता है। संसार में रहते हुए वैराग्य के प्रसंग जीवन में आते हैं। फिर भी विरक्ति नहीं होती। इसलिए निरंतर साधना व स्वाध्याय करते रहना चाहिए। सुखी और सफल जीवन के लिए भौतिक सुख नहीं, आध्यात्मिक सुख ज्यादा जरूरी है, जो वैराग्य से ही प्राप्त हो सकता है। संसार के सभी जीव सुख चाहते हैं। सभी लोग सुख प्राप्त करने के लिए ही पुरुषार्थ करते हैं, लेकिन सच्चा सुख कहां है, इसका हमें ध्यान नहीं है। जो जीवात्मा अरिहंत परमात्मा की वाणी को आत्मसात करती है, उसकी सभी प्रकार की आधि-व्याधि नष्ट हो जाती है। जिसने आत्मस्वरूप की पहचान कर ली है, वही धर्मध्यान में लीन होगा। हमारे आर्तध्यान और रौद्रध्यान से जीवन भटक जाता है। धर्मध्यान को अपनाकर व्यक्ति प्रत्येक परिस्थिति में भी समभाव को धारण कर सकता है। आज धर्मध्यान की जगह धन का ध्यान ज्यादा किया जा रहा है। पैसा साधन जरूर है, पर वह साध्य नहीं है। विडंबना यह है कि आज व्यक्ति धन को ही साध्य मानने की भूल कर रहा है।

विचार मंथन

सूचना अधिकार कानून बनाम नागरिकों के अधिकारों का हनन

(लेखक- सनत जैन)

भारत में सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून 2005 में इस उद्देश्य से लागू किया गया था, कि सरकारी कामकाज में पारदर्शिता लाई जा सके। कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित हो। सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार कम हो। सरकारी तंत्र अपनी जिम्मेदारी को समझे और नागरिकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करे। यह कानून लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूत करने वाला माना गया था, लेकिन वर्तमान में यह कानून एक मजाक बनकर रह गया है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारें सूचना आयुक्तों की नियुक्ति नहीं कर रही है। पद खाली पड़े हुए हैं। सरकार और उसके अधिकारी अपनी जवाबदेही से बचने के लिए सूचना अधिकार कानून को लाल बस्ते में बंद करके रखना चाहते हैं। कुछ राज्यों में आरटीआई मामलों की सुनवाई के लिए 20 से 30 साल तक का इंतज़ार करना पड़ रहा है। तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है, क्या यह कानून अब नागरिकों के लिए मज़ाक बनकर रह गया है? हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट के अनुसार, राज्यों में सूचना अधिकार कानून के तहत जो मामले पंजीकृत हैं उनकी सुनवाई में कई दशकों तक इंतजार करना पड़ेगा। सूचना अधिकार कानून में जो जानकारी मांगी गई है। उसके लिए तेलंगाना में आरटीआई मामलों की सुनवाई के लिए 29 साल, त्रिपुरा में 23 साल, छत्तीसगढ़ में 11 साल और मध्य प्रदेश व पंजाब में 7 साल तक का इंतज़ार नागरिकों को करना पड़ सकता है। यह स्थिति लोकतांत्रिक व्यवस्था, संवैधानिक अधिकारों और नागरिक अधिकारों को बनाए रखने की दिशा में गहरी चिंता का विषय है। आरटीआई कानून का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना था। सूचना आयोगों की धीमी प्रक्रिया ने इस कानून को औपचारिक बना दिया है। यह नागरिक अधिकारों के संरक्षण के स्थान पर भ्रष्टाचार को और बढ़ावा देने का एक माध्यम बन गया है। जब एक नागरिक सूचना मांगता है, तो वह केवल एक सवाल नहीं करता, बल्कि शासन और उसके अधिकारियों की जवाबदेही तय करने का प्रयास करता है। यदि उसे सूचना पाने के लिए दशकों तक प्रतीक्षा करनी पड़े, तो यह नागरिक अधिकारों का खुला उल्लंघन होगा। ऐसी स्थिति में आरटीआई कानून का अस्तित्व पर ही प्रश्नचिह्न लग जाता है। देश में जून 2025 तक 4।13 लाख अपीलें और शिकायतें लंबित थीं। कई सूचना आयोगों ने तो कानून के तहत अनिवार्य वार्षिक रिपोर्ट तक प्रकाशित नहीं की। यह लापरवाही न केवल प्रशासनिक असफलता को दर्शाती है, बल्कि शासन की पारदर्शिता के प्रति उदासीनता उजागर करती है। जरूरी है, केंद्र और राज्य सरकारें इस स्थिति को गंभीरता से लें। सूचना आयोगों में पर्याप्त मानव संसाधन और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाए। समय सीमा पर सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की जाए जो स्वीकृत पद हैं उन्हें समय पर भरा जाए। कई राज्यों में तो सूचना आयुक्तों के पद कई वर्षों से खाली पड़े हुए हैं। लंबित मामलों की समय सीमा तय कर सख्ती के साथ निगरानी की जाए। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सुनवाई प्रक्रिया को तेज़ और पारदर्शी बनाया जा सकता है। सूचना अधिकार कानून में एक समय सीमा के अंदर सूचना उपलब्ध कराने का प्रावधान है। ऐसा नहीं करने पर दंड का प्रावधान है। यह नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है। इसका पालन किसी भी स्तर पर यदि नहीं होता है तो इसको लेकर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट को भी संज्ञान लेने की जरूरत है। आरटीआई कानून नागरिकों के संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों की रीढ़ है। अगर इसमें देरी और उपेक्षा जारी रही, तो यह कानून अपने मूल उद्देश्य से भटक जाएगा। नागरिकों को जानकारी पाने का अधिकार तभी सार्थक है जब वह निश्चित समय पर मिले। वरना कई साल बाद की सुनवाई की जाती है तो इसमें नागरिक अधिकार बुरी तरह से प्रभावित होते हैं। जब कोई कानूनी सुविधा नागरिकों को प्राप्त नहीं होती है तो उससे व्यथित होकर व्यक्ति सूचना अधिकार कानून का उपयोग करता है। यदि उसे समय पर जानकारी नहीं मिलती है तो इससे बड़ा अपराध दूसरा कोई हो नहीं सकता है।

क्योंकि जो अधिकार उसे संविधान और कानून ने दिए थे उन्हीं का उल्लंघन किया जा रहा है। वर्तमान स्थिति के लिए सरकार जवाबदेह है। समय पर जवाब नहीं दिया जाता तो इसे शासकीय और प्रशासकीय व्यवस्था में निश्चित रूप से बढ़ रहे भ्रष्टाचार और जवाब देही से बचने के रूप में देखा जा रहा है। नागरिकों का यह एक संवैधानिक अधिकार है इसे आसानी से खत्म नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट को इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करनी चाहिए। सरकार ने बहुत सारे नियामक आयोग और बहुत सारे ट्रिब्यूनल बना रखे हैं, जिन्हें कानूनी अधिकार दिए गए हैं, लेकिन इनमें अधिकांश में जजों की या आयुक्तों की नियुक्ति नहीं की जा रही है। यह नागरिक अधिकारों का सीधा हनन है। लोगों के मौलिक अधिकार खत्म किए जा रहे हैं। ऐसे मामले में भी यदि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट चुप्पी साधे रखती है तो ऐसी स्थिति में यह कहने में संकोच नहीं होगा की न्यायपालिका भी सरकार के दबाव में काम करती हुई नजर आ रही है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की जिम्मेदारी है कि वह नागरिकों के मौलिक एवं नागरिक अधिकारों को सुरक्षित रखे। यदि ऐसा नहीं हुआ तो आने वाले समय में जनाक्रोष को रोक पाना शायद सरकारों के लिए संभव ना हो।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

असम में चाय उद्योग में सभी उत्पादकों की जगह बनी रहनी चाहिए: रवि कोटा

कोलकाता । असम के मुख्य सचिव रवि कोटा ने कहा है कि राज्य के चाय उद्योग में मौजूद दोहरी संरचना, जिसमें बड़े संगठित उत्पादक और छोटे चाय उत्पादक (एसटीजी) शामिल हैं, भविष्य में भी बनी रहनी चाहिए। उन्होंने इस संरचना को आवश्यक बताते हुए कहा कि दोनों को एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाए बिना सह-अस्तित्व बनाए रखना होगा। असम भारत का सबसे बड़ा चाय उत्पादक राज्य है, जो देश की सालाना चाय उत्पादन का लगभग आधा हिस्सा देता है। बड़े संगठित उत्पादकों को बागान अधिनियम के तहत कई कल्याणकारी दायित्व निभाने होते हैं, जबकि छोटे उत्पादक इन दायित्वों से मुक्त हैं। एसटीजी का योगदान भारत की कुल चाय उत्पादन में 50 फीसदी से अधिक है। कोटा ने चाय के लिए न्यूनतम स्थायी मूल्य (एमएसपी) लागू करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक ऐसा मॉडल तैयार किया जाना चाहिए जो किसानों के लिए न्यायसंगत हो। साथ ही चाय के आयात में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए उत्पाद के मूल स्रोत की जानकारी उपभोक्ताओं को मिलनी चाहिए।

एयर इंडिया की नई उड़ान सेवा दिल्ली से लंदन 26 अक्टूबर से

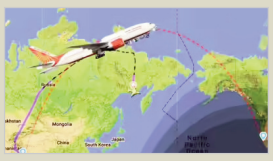

नई दिल्ली । एयर इंडिया ने आगामी शीतकालीन मौसम को ध्यान में रखते हुए दिल्ली और लंदन (हीथ्रो) के बीच अपनी चौथी दैनिक उड़ान शुरू करने की घोषणा की है। यह नई सेवा 26 अक्टूबर से शुरू होगी। इसके साथ ही लंदन रूट पर एयर इंडिया की कुल साप्ताहिक उड़ानों की संख्या 24 से बढ़कर 28 हो जाएगी। कंपनी के अनुसार, इस अतिरिक्त उड़ान से यात्रियों के लिए प्रति सप्ताह 1,196 सीटें और उपलब्ध हो जाएंगी। सर्दियों के व्यस्त मौसम को देखते हुए यह कदम यात्रियों को अधिक विकल्प और लचीलापन प्रदान करेगा। नई उड़ान सेवा से भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार, पर्यटन और पारिवारिक यात्रा को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। एयर इंडिया का यह विस्तार अंतरराष्ट्रीय संपर्क को मजबूत करने की दिशा में एक और अहम कदम माना जा रहा है।

इक्सिगो 1,296 करोड़ में प्रोसस को 10.1 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगा

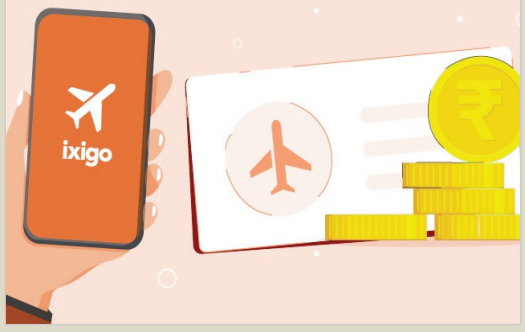

नई दिल्ली । यात्रा बुकिंग मंच इक्सिगो ने शुक्रवार को घोषणा की कि उसे वैश्विक प्रौद्योगिकी निवेशक प्रोसस से 1,295.56 करोड़ रुपए का निवेश प्राप्त होगा। यह निवेश तरजीही इक्विटी निर्गम के माध्यम से किया जाएगा। प्रोसस की सहायक कंपनी एमआईएच इंवेस्टमेंट वन बी.वी. को 280 रुपए प्रति शेयर की दर से 4.62 करोड़ इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे, जो कंपनी की कुल चुकता पूंजी का 10.1 फीसदी है। इक्सिगो ने बताया कि यह पूंजी कंपनी की विस्तार योजनाओं, कार्यशील पूंजी जरूरतों और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों को पूरा करने में उपयोग की जाएगी। इस निवेश के साथ, इक्सिगो को न केवल वित्तीय मजबूती मिलेगी, बल्कि एक अनुभवी वैश्विक निवेशक का साथ भी मिलेगा, जो इसके भविष्य के विकास में सहायक हो सकता है।

2026 की दूसरी तिमाही में लॉन्च होगी निसान टेकटॉन

नई दिल्ली ।

बहुराष्ट्रीय कंपनी निसान मोटर इंडिया ने अपनी मोस्ट-अवेटेड सी-सेगमेंट एसयूवी, टेकटॉन, का खुलासा कर दिया है। भारतीय बाजार में कंपनी इसे 2026 की दूसरी तिमाही में लॉन्च करने वाली है। टेकटॉन निसान और रेनॉल्ट की साझेदारी वाले चेन्नई प्लांट में तैयार होगी और भारत के साथ कुछ ग्लोबल मार्केट्स में भी एक्सपोर्ट की जाएगी। यह एसयूवी प्रीमियम और प्रैक्टिकल दोनों ही तरह की है और इसे हुंडई क्रेटा, किआ सेल्टोस, मारुति ग्रैंड विटारा, टोयोटा हायराइडर, स्कोडा कुशाक और फॉक्सवैगन टाइगुन जैसी गाड़ियों को टक्कर देने के लिए तैयार किया गया है।

'टेकटान' नाम ग्रीक शब्द से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'कारीगर' या 'निर्माता।' निसान का कहना है कि यह नाम उनकी इंजीनियरिंग और डिजाइन फिलॉसफी को दर्शाता है। कंपनी इसे उन ग्राहकों के लिए पेश कर रही है जो अपने करियर, जीवनशैली और पैशन के जरिए अपनी पहचान बनाते हैं।

टेकटॉन का डिज़ाइन आकर्षक और दमदार है। इसमें फ्लैट बोनट, वी-मोशन ग्रिल, स्प्लिट हेडलैम्प्स और सी-शेप एलईडी डीआरएलएस

शामिल हैं। रग्ड बंपर, बड़े अलॉय व्हील्स और चौड़े व्हील आर्च इसे मजबूत लुक देते हैं।

टेकटॉन निसान की भारत में नई ग्रोथ स्ट्रैटेजी का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसके बाद कंपनी सब-4 मीटर एमपीवी और 7-सीटर एसयूवी भी पेश करेगी। साइड प्रोफाइल में हिमालय से प्रेरित डबल-सी पैटर्न है, जबकि पीछे की ओर फुल-विड्थ एलईडी टेललाइट बार, स्क्वेयर लैंप्स और रियर स्पॉइलर इसकी प्रीमियम अपील बढ़ाते हैं। पावरट्रेन के मामले में यह एसयूवी सीएमएफ-बी प्लेटफॉर्म पर बेस्ड होगी। इसमें पेट्रोल और हाइब्रिड इंजन ऑप्शन मिलने की उम्मीद है, और टॉप वैरिएंट में ऑल-व्हील ड्राइव भी हो सकता है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 13 पैसे की बढ़त के साथ ही 88.66 पर बंद हुआ। सबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 88.80 पर कमजोर खुला, लेकिन जल्द ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.78 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से एक पैसे की बढ़त है। गुरुवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 88.79 पर बंद हुआ था। कारोबारियों ने कहा कि मजबूत अमेरिकी डॉलर और आयातकों की मांग के कारण रुपये पर दबाव पड़ा। हालांकि, घरेलू बाजारों में मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में कमी ने गिरावट पर अंकुश लगाया। छह मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को बताने वाला डॉलर सूचकांक 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.32 पर रहा।

जुबिलेंट हॉलिस्टरस्टियर करेगी अमेरिका में 300 मिलियन डॉलर का निवेश

- स्टेराइल इंजेक्टेबल्स की उत्पादन क्षमता होगी दोगुनी

नई दिल्ली । जुबिलेंट फार्मा लिमिटेड की अमेरिकी शाखा जुबिलेंट हॉलिस्टरस्टियर एलएलसी अमेरिका में अपनी स्टेराइल इंजेक्टेबल दवाओं की उत्पादन क्षमता को दोगुना करने के लिए 300 मिलियन डॉलर (लगभग 2,500 करोड़) का निवेश करेगी। यह निवेश वित्त वर्ष 2027-28 तक पूरा होने की योजना है। कंपनी ने यह विस्तार वाशिंगटन के स्पोकेन में स्थित अपने विनिर्माण संयंत्र में किया है, जहां तीसरी उत्पादन श्रृंखला की स्थापना 132 मिलियन डॉलर की लागत से की गई है। कंपनी के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने बताया कि यह वेश कंपनी की उत्पादन क्षमता को मौजूदा 5 करोड़ शीशियों से बढ़ाकर 10 करोड़ शीशियों प्रति वर्ष कर देगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा फार्मा उत्पादों पर लगाए गए भारी शुल्कों के चलते लिया गया है, ताकि अमेरिकी बाजार में स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा मिल सके और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत किया जा सके।

JUBILANT PHARMOVA

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 328.72 अंक की बढ़त के साथ 82,500.82 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 103.55 अंक बढ़कर 25,285.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आज निफ्टी पर 3,174 शेयरों में से 1,905 शेयर तेजी के साथ बंद हुए। वहीं 1,177 शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा 92 शेयरों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं आया।

आज सिप्ला , एसबीआई , मारुति सुजुकी , डॉ. रेड्डीज़ लैब्स व भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर बढ़त पर बंद हुए जबकि टा स्टील, टीसीएस व एचडीएफसी लाइफ का शेयरगिरावट के साथ 747.30 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा जेएसडब्ल्यू स्टील और टेक महिंद्रा के शेयर में भी गिरावट रही। इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 50 से ज्यादा अंक की गिरावट लेकर 82,075.45 पर खुला। खुलने के बाद इंडेक्स में गिरावट बढ़ गई और यह 82,072 तक फिसल गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 भी गिरावट के साथ 25,167.65 पर खुला। । एशिया के बाजारों में वॉल स्ट्रीट की तरह ही गिरावट देखी गई। चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 1.08 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 0.85 फीसदी और जापान का निक्केई 0.63 फीसदी नीचे आया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.81 फीसदी ऊपर रहा। अमेरिकी शेयर बाजार अपने हालिया रिकॉर्ड उच्च स्तर से नीचे गिर गए। एसएंडपी 500 में 0.28 फीसदी की गिरावट आई। नैस्डैक में 0.08 फीसदी की गिरावट आई और डॉव जोन्स 0.52 फीसदी गिरकर बंद हुआ।

आईपीओ के ज़रिए भारत ने जुटाए 14.2 अरब, दुनिया में चौथे स्थान पर

- 74 कंपनियों ने जुटाए 85,241 करोड़, छोटे आईपीओ ने दिए 40 फीसदी तक रिटर्न

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारत ने वर्ष 2025 में आईपीओ (आरंभिक सार्वजनिक निर्गम) के ज़रिए पूंजी जुटाने के मामले में दुनिया में चौथा स्थान हासिल किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय कंपनियों ने इस वर्ष कुल 14.2 अरब डॉलर (85,241.08 करोड़) जुटाए, जो पिछले पांच वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी राशि है। भारत से आगे अमेरिका (52.9 अरब डॉलर), हांगकांग (23.4 अरब डॉलर) और चीन (16.2 अरब डॉलर) रहे।

इस वर्ष भारत में कुल 74 कंपनियों ने आईपीओ लाए, हालांकि इसमें बीवर्क इंडिया, टाटा कैपिटल और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया जैसे तीन बड़े आईपीओ शामिल नहीं हैं, जो लगभग 30,000 करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी में हैं। जनवरी 2024 से अब तक 21 महीनों में 161 कंपनियों के आईपीओ सूचीबद्ध हुए हैं, जिनमें निवेशकों को औसतन 22 फीसदी रिटर्न मिला, जो निफ्टी जैसे प्रमुख सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन है। इनमें से 61 फीसदी आईपीओ ने छह महीने में निफ्टी से अधिक रिटर्न दिया। विश्लेषण में यह भी सामने आया कि छोटे आकार के आईपीओ अधिक लाभदायक रहे हैं। 2 डॉलर मिलियन से कम वाले आईपीओ ने 40 फीसदी तक का रिटर्न दिया, जबकि 1 अरब डॉलर से अधिक के बड़े

आईपीओ का औसत रिटर्न केवल 9 फीसदी रहा। गौरतलब है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 2025 में सेकेंडरी मार्केट से जहां 18 अरब डॉलर निकाले, वहीं प्राथमिक बाजार में 5 अरब डॉलर का निवेश किया। यह भारत के आईपीओ बाजार में उनके भरोसे को दर्शाता है।

भारत में 47 फीसदी आबादी अब भी ऑफलाइन

- महिलाओं की डिजिटल भागीदारी 33 फीसदी कम

नई दिल्ली। ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशंस एसोसिएशन (जीएसएमए) की ताजा रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि भारत की लगभग 47 प्रतिशत आबादी अब भी इंटरनेट से जुड़ी नहीं है। इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 में जीएसएमए एशिया एक अे धिकारी ने यह जानकारी साझा की। गोर्मन के अनुसार, डिजिटल पहुंच में सबसे बड़ी बाधा मोबाइल डिवाइस की ऊंची कीमतें और तकनीकी ज्ञान की कमी है। इसके अलावा, मोबाइल इंटरनेट का उपयोग करने में महिलाएं पुरुषों से 33 प्रतिशत पीछे हैं। यह बढ़ता डिजिटल लैंगिक अंतर देश के समावेशी विकास के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। जीएसएमए की रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था 2013 के 108 अरब डॉलर से बढ़कर 2023 में 370 अरब डॉलर तक पहुंच गई है, और 2030 तक इसके 1,000 अरब डॉलर को पार करने की संभावना है। लेकिन यह भी चेतावनी दी गई है कि अगर डिजिटल पहुंच और नवाचार में असमानता दूर नहीं की गई, तो 2047 तक भारत के डिजिटल संप्रभुता लक्ष्यों को प्राप्त करना मुश्किल हो सकता है। रिपोर्ट ने यह भी उजागर किया कि भारत डिजिटल बुनियादी ढांचे और मोबाइल अपनाने में अग्रणी है, पर अनुसंधान एवं विकास, निजी क्षेत्र की भागीदारी और कुशल तकनीकी पेशेवरों की उपलब्धता के मामले में अभी भी पिछड़ रहा है।

वित्त विभाग ने 7,350 करोड़ की पीएलआई योजना पर उठाए सवाल

- योजना से चीन पर निर्भरता घटेगी, पर नई आयात निर्भरता पैदा होगी

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वित्त मंत्रालय के वित्त विभाग (डीओई) ने भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) द्वारा प्रस्तावित 7,350 करोड़ की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना पर सवाल उठाए हैं। यह योजना देश में रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट (आरईपीएम) के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए तैयार की गई है, जिससे चीन से आयात पर निर्भरता कम की जा सके। वित्त विभाग ने चेताया कि योजना से एक निर्भरता कम जरूर होगी, लेकिन भारत को दुर्लभ पृथ्वी ऑक्साइड के लिए अन्य देशों पर निर्भर होना पड़ेगा। भारत में केवल इं डियन रेयर अर्थ लिमिटेड (आईआरईएल) ही 500 टन ऑक्साइड की आपूर्ति कर सकती है, जबकि 5 प्लांटों के लिए सालाना 1,500 टन की जरूरत होगी। डीओई ने यह भी चिंता जताई कि भारी सब्सिडी मिलने से कंपनियों को लागत घटाने या नवाचार करने की प्रेरणा नहीं मिलेगी। साथ ही, अगर हर ऑटोमोबाइल कंपोनेंट में कमी या संकट के चलते अलग योजना

बनेगी, तो यह एक गलत उदाहरण बन सकता है। विभाग ने यह भी सवाल किया कि आरईपीएम योजना को नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन के तहत क्यों नहीं लाया गया। साथ ही यह सुझाव दिया कि सरकार को स्पष्ट दीर्घकालिक रणनीति बनानी चाहिए, क्योंकि दुनिया आरईपीएम के विकल्प जैसे आयरन नाइट्राइड और स्ट्रॉन्शियम-फेराइट मैग्नेट्स की ओर बढ़ रही है।

इरडा के तिमाही नतीजे 14 अक्टूबर को आएंगे, दमदार रिजल्ट की उम्मीद

कंपनी ने दूसरी तिमाही में लोन सैंक्शन और डिस्बर्समेंट में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की

नई दिल्ली ।

इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (इरडा) अपने दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर 2025) के वित्तीय नतीजे 14 अक्टूबर 2025 को जारी करेगी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि इस दिन बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक में तिमाही और एच1 (हाफ ईयर) के स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड नतीजों को मंजूरी दी जाएगी। इरडा ने इस तिमाही में बिजनेस के लिहाज से बेहतरीन प्रदर्शन किया है। कंपनी ने जुलाई से सितंबर 2025 के बीच 33,148 करोड़ रुपए के लोन सैंक्शन किए, जो पिछले साल की इसी तिमाही के 17,860 करोड़ के मुकाबले 86 फीसदी ज्यादा है। वहीं लोन डिस्बर्समेंट 15,043 करोड़ रुपए रहा, जो साल-दर-साल आधार पर 54 फीसदी की बढ़त है। नवंबर 2023 में आईपीओ लॉन्च करने वाली इरडा का शेयर 32 रुपए पर जारी हुआ था और लिस्टिंग के दिन 50 रुपए पर खुला। तब से अब तक इसका शेयर मूल्य 149.15 रुपए तक पहुंच चुका है, जिससे निवेशकों को शानदार रिटर्न मिला है। अब बाजार की नजर 14 अक्टूबर को आने वाले वित्तीय नतीजों पर है। निवेशक खासतौर पर कंपनी की आय, मुनाफा और एसेट क्वालिटी में सुधार की उम्मीद कर रहे हैं।

अब अमेजन पर भी रॉयल इनफील्ड की बाइक ऑनलाइन उपलब्ध

- घर बैठे होगी डिलीवरी, पांच शहरों में शुरू हो गई सर्विस

नई दिल्ली ।

अगर आप रॉयल इनफील्ड की बाइक खरीदना चाहते हैं तो अब आपको शोरूम जाने की जरूरत नहीं होगी। अब फ्लिपकार्ट के बाद अमेजन ने भी रॉयल इनफील्ड की बाइक ऑनलाइन उपलब्ध करा दी है। अब अपने पसंद की बाइक को घर पर ही डिलीवर करवा सकते हैं। फिलहाल यह सुविधा देश के 5 शहरों में शुरू की गई है और आगे इसमें अन्य शहरों को भी जोड़ा जाएगा। प्रीमियम मोटरसाइकिल बनाने वाली कंपनी रॉयल एनफील्ड ने बताया है कि उसके ब्रांड वाली 350 सीसी की सभी मोटरसाइकिल अब ऑनलाइन ई-कॉमर्स मंच अमेजन से खरीदी जा सकेंगी। इसमें क्लासिक 350, बुलेट 350, हंटर 350, गोअन क्लासिक 350 और नई मेट्योर 350 जैसी बाइक शामिल हैं। कंपनी के अनुसार अब ये सभी बाइक अमेजन इंडिया पर रॉयल एनफील्ड ब्रांड के बिक्री केंद्र के जरिये बेची जाएंगी। ग्राहक ऑनलाइन ऑर्डर करने के बाद अपने घर पर ही डिलीवरी ले सकते हैं। फिलहाल पांच प्रमुख शहरों अहमदाबाद, चेन्नई, हैदराबाद, दिल्ली और पुणे के ग्राहकों के लिए ही यह सेवा शुरू की गई है। इन शहरों में मोटरसाइकिल की आपूर्ति और बिक्री के बाद की सेवाएं ग्राहक के शहर में मौजूद उनके पसंदीदा रॉयल एनफील्ड डीलरशिप के जरिये की जाएगी। अमेजन से पहले फ्लिपकार्ट ने भी रॉयल इनफील्ड की बाइक को ऑनलाइन बेचना शुरू कर दिया है। फ्लिपकार्ट पर 22 सितंबर यानी नवरात्र की शुरुआत से ही 350 सीसी वाली बाइकों की बिक्री शुरू की जा चुकी है। कंपनी ने बताया है कि 350 सीसी की रेंज वाली सभी बाइक उसके प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। फ्लिपकार्ट इन बाइकों की डिलीवरी देश के 5 चुनिंदा शहरों में कर रहा है, इसमें बैंगलुरु, गुरुग्राम, कोलकाता, लखनऊ और मुंबई शामिल हैं।

एसबीआई में एमडी पद प्राइवेट बैंकरों के लिए खुला

नई दिल्ली ।

सरकार ने पहली बार देश के सबसे बड़े पब्लिक सेक्टर बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) में मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी) के पद पर प्राइवेट सेक्टर के अनुभवी बैंकरों को आवेदन करने का मौका दिया है। अब एसबीआई के चार एमडी पदों में से एक पर प्राइवेट क्षेत्र के उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं। यह बदलाव सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों में नेतृत्व चुनने के तरीके में क्रांतिकारी माना जा रहा है। फाइनेंशियल सर्विसेज इंस्टीट्यूशंस ब्यूरो (एफएसआईबी) को उम्मीदवारों का मूल्यांकन कर सिफारिश करने का अधिकार दिया गया है। इस प्रक्रिया में अब एनुअल परफारमेंस एप्रेसियल रिपोर्ट अनिवार्य नहीं होगी, जो पहले शीर्ष पदों के लिए जरूरी थी। एफएसआईबी उम्मीदवारों की व्यवहारिक और कौशल क्षमता के आकलन के लिए एचआर एजेंसी की मदद भी ले सकेगा, पर चयन में एजेंसी शामिल नहीं होगी। इसके अलावा उम्मीदवारों को पिछले दस साल में किसी प्रकार की सजा नहीं मिली होनी चाहिए। इस पद के लिए आवश्यक है कि उम्मीदवार के

पास कम से कम 21 साल का प्रोफेशनल अनुभव हो, जिसमें 15 साल बैंकिंग क्षेत्र का अनुभव अनिवार्य है। साथ ही, उम्मीदवार को किसी बैंक के बोर्ड स्तर पर दो साल या बोर्ड से नीचे टॉप लेवल पर तीन साल का अनुभव होना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दूसरा टेस्ट : यशस्वी के शतक से भारत ने बनाये दो विकेट पर 318 रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। यशस्वी जायसवाल के शानदार शतक से भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में दो विकेट पर 318 रन बना लिए थे। पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय यशस्वी नाबाद 173 व कप्तान शुभमन गिल 20 रनों पर खेल रहे थे। आउट होने वाले बल्लेबाज साई सुदर्शन 87 और केएल राहुल 38 रन रहे। सुदर्शन केवल 13 रनों से अपना शतक पूरा नहीं कर पाये। वह 165 गेंद पर 87 रन बनाकर आउट हुए। आज सुबह भारतीय कप्तान शुभमन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया जो सही साबित हुआ। मैच में भारतीय बल्लेबाज छाये रहे। यशस्वी ने इस मैच में अपने करियर का सातवों शतक लगा दिया और अब वह दोहरे शतक की ओर बढ़ रहे हैं। अब देखना हो कि वह दूसरे दिन दोहरा शतक लगा पाते हैं या नहीं। राहुल के आउट होने के बाद सुदर्शन के साथ मिलकर यशस्वी ने जबरदस्त बल्लेबाजी

कर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। सुदर्शन ने भी अच्छी बल्लेबाजी की पर वह जोमेल वारिकन की गेंद पर आउट हो गये। वारिकन ने ही इससे पहले राहुल को भी अपना शिकार बनाया था। सुदर्शन के आउट होने के बाद शुभमन और यशस्वी ने भारतीय टीम के स्कोर को आगे बढ़ाया। मेहमान टीम की ओर से जायडन सील्स ने भी अच्छी गेंदबाजी की लेकिन उन्हें कोई विकेट हासिल नहीं हुआ। शुरुआती घंटे में अच्छी गेंदबाजी करने के साथ ही वेस्टइंडीज़ ने अंतिम सत्र में भी आक्रामक गेंदबाजी कर विकेट लेने का प्रयास किया पर सफल नहीं हुई। आज यशस्वी और सुदर्शन के बीच दूसरे विकेट के लिए 193 रन की अच्छी साझेदारी निभाई। यशस्वी ने सातवां शतक लगाने के साथ ही अपने 3000 रन भी पूरे किये।

यशस्वी ने सातवां शतक लगाने के साथ ही बनाये कई रिकार्ड, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 3000 रन पूरे किये

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल ने शुक्रवार से यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाकर एक साथ कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। इस मैच में यशस्वी ने अपने टेस्ट करियर का सातवां शतक लगाया। इसी के साथ ही वह एलेस्टेयर कुक और जावेद मियांदाद जैसे खिलाड़ियों के 24 साल से कम उम्र में सात शतक लगाने वाले चार खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गये। यशस्वी ने 145 गेंदों में 16 चौके लगाते हुए अपना शतक बनाया। जायसवाल ने ये सातवां टेस्ट शतक 24 साल से कम उम्र में बनया है और ऐसे में अब वह मियांदाद, ग्रीम स्मिथ,कुक और केन विलियमसन के साथ सात-सात शतक लगाने वाले क्लब में शामिल हो गए है। वहीं इस मैच में यशस्वी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 3000 रन पूरे कर लिए हैं। इसी के साथ ही वह 23 साल की उम्र में ऐसा कारनामा करने वाले 6ठे भारतीय बन गए हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे दिग्गजों की सूची में अपनी जगह बना ली है। 23 साल की उम्र में बतौर भारतीय सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम है। तेंदुलकर ने इस दौरान 8696 रन बनाए थे, वहीं विराट कोहली 5052 रनों के साथ ही सूची में दूसरे स्थान पर है। इस सूची में युवराज सिंह, सुरेश रैना और रवि शास्त्री जैसे दिग्गज खिलाड़ी भी शामिल हैं।

23 साल की उम्र में भारत के लिए सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय रन

8696 – सचिन तेंदुलकर, 5052 – विराट कोहली, 3853 – युवराज सिंह, 3350 – सुरेश रैना, 3224 – रवि शास्त्री, 3000 – यशस्वी जायसवाल

हरमनप्रीत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के लिए शीर्ष क्रम को जिम्मेदार बताया

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्वकप मुकाबले में हार के बाद बेहद नाराज नजर आयीं। इस मैच में भारतीय टीम जीत के करीब पहुंचकर भी हार गयी। विश्वकप में ये भारतीय टीम की पहली हार है। पहले मैच में उसने श्रीलंका और दूसरे में पाकिस्तान को हराया था। हरमनप्रीत ने हार के लिए शीर्ष क्रम को जिम्मेदार बताया है। उनका कहना है कि शीर्ष क्रम ने रन नहीं बनाये। इस मैच में ऋचा घोष के साथ मिलकर निचले क्रम की बल्लेबाजों ने रन बनाकर सम्मानजनक स्कोर बनाया। ऋचा की इस मैच में 94 रनों की पारी के बाद भी टीम को हार का सामना करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका ने इस मैच में शुरुआती पांच विकेट गंवाने के बाद भी जीत हासिल कर ली।

मैच के बाद हरमनप्रीत ने कहा, 'शीर्ष क्रम ने जिम्मेदारी से नहीं खेला और अपने विकेट सस्ते में ही गंवा दिये।ये गलती इससे पहले के मैचों में भी हुई थी हालांकि हमें काफी सबक भी मिले हैं। मुझे लगता है कि एक टीम के रूप में हमें बैठकर बात करनी होगी कि एक अच्छा स्कोर बनाने के लिए कौन सी चीजें हमारे लिए प्रभावी होंगी। यह एक लंबा टूर्नामेंट है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच हमारे लिए मुश्किल पर हमें इससे काफी कुछ सीखने को भी मिला है। इससे हमें आगे के मैचों में बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिली

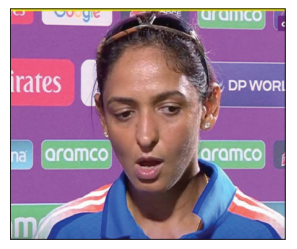

है।' उन्होंने कहा, 'दक्षिण अफ्रीका से मुकाबला कठिन रहा। दोनों टीमों ने ही शानदार खेल दिखाया। हालांकि बल्लेबाजी करते हुए हम उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये और 250 के स्कोर तक ही पहुंच पाये। दूसरी ओर विरोध टीम की क्लो और डी क्लार्क ने जबरदस्त बल्लेबाजी कर मैच हमारे हाथों से छीन लिया। उन्होंने दिखाया कि पिच बहुत अच्छी थी और जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की, उससे वे जीत की अधिकारी थीं।'

भारतीय टीम की ओर से ऋचा ने इस मैच में दक्षिए अफ्रीका के खिलाफ 94 रनों की पारी खेली, यह महिता एकदिवसीय क्रिकेट के इतिहास में 8वें या उससे नीचे नंबर पर खेली गई अब तक की सबसे बड़ी पारी है। ऋचा की बल्लेबाजी को लेकर हरमन बोलीं, 'ऋचा हमेशा हमारे लिए हमेशा से ही महत्वपूर्ण खिलाड़ी रही हैं। वह हमेशा मैच का रुख बदल सकती हैं। और जिस तरह से उन्होंने कठिन हालात में बल्लेबाजी की, हम सभी इसे देखकर बहुत खुश हुए।'

रणजी ट्रॉफी : दिल्ली ने किया टीम का ऐलान, बडोनी करेंगे कप्तानी, नीतीश राणा की वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली ने हैदराबाद के खिलाफ 15 अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्रिकेट मैच के लिए शुक्रवार को 24 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें आयुष बडोनी को कप्तान और यश ढुल को उपकप्तान नियुक्त किया गया है।

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (DDCA) की चयन समिति ने नितीश राणा को भी टीम में शामिल किया है। राणा उत्तर प्रदेश के साथ कुछ समय तक खेलने के बाद दिल्ली की टीम में वापस आ गए हैं। DDCA सचिव अशोक शर्मा ने बताया, 'चयनकर्ताओं ने 24 खिलाड़ियों को इसलिए चुना है क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे प्रत्येक मैच में चयन के लिए एक बड़ा पूल हमेशा उपलब्ध रहता है। जब हम दिल्ली में घरेलू मैच खेलेंगे, तो हम इसे घटाकर 15 कर देंगे।' राणा की वापसी पर शर्मा ने कहा, 'वह एक अनुभवी खिलाड़ी हैं और चयनकर्ता उन्हें परखना चाहते थे। अगले मैच में हम ऋषभ पंत के खेलने की उम्मीद कर रहे हैं।' बैठक में चयनकर्ता यशपाल सिंह, के भास्कर पिल्लई और मनु नायर के साथ-साथ मुख्य कोच सरनदीप सिंह, सीएसी सदस्य सुरिंदर खन्ना और डीडीसीए के अधिकारी अशोक शर्मा (सचिव) और अमित ग्रोवर (संयुक्त सचिव) भी शामिल हुए।

दिल्ली टीम

आयुष बडोनी (कप्तान), यश ढुल (उप-कप्तान), अर्पित राणा, सनत सांगवान, अनुज रावत (विकेटकीपर), सुमित माथुर, शिवम शर्मा, रौनक वाघेला, नवदीप सैनी, सिमरजीत सिंह, मनी ग्रेवाल, सिद्धांत शर्मा, ध्रुव कौशिक, प्रणव राजवंशी (विकेटकीपर), नीतीश राणा, हिम्मत सिंह, आयुष दोसेजा, राहुल डागर, रितिक शौकीन, प्रियांश आर्य, तेजस्वी (विकेटकीपर), वैभव कांडपाल, रोहन राणा, आर्यन राणा (फिटनेस हासिल करने पर)।

आईपीएल 2026 नीलामी की संभावित तारीख आई सामने, रिटेंशन की अंतिम तिथि 15 नवंबर

नई दिल्ली (एजेंसी)। IPL 2026 की नीलामी दिसंबर के दूसरे या तीसरे सप्ताह में होने की संभावना है, और 13-15 दिसंबर संभावित समय के रूप में उभर रहे हैं। फ्रेंचाइजी अधिकारियों, जिन्होंने BCCI अधिकारियों से बात की है। रिपोर्ट में बताया है कि चर्चा इन्हीं तारीखों पर केंद्रित है, हालांकि लीग की गवर्निंग कार्उंसिल ने अभी तक कार्यक्रम तय नहीं किया है। इसके अलावा इस समय इस बात का कोई संकेत नहीं है कि नीलामी विदेश में आयोजित की जाएगी, जैसा कि पिछले दो संस्करणों में हुआ था - पहले दुबई (2023) और फिर सऊदी अरब के जेद्दा (2024) में।

फ्रेंचाइजी सूत्रों का कहना है कि अगर BCCI भारत में ही मिनी-नीलामी आयोजित करने का फैसला करता है, तो इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। हालांकि यह फैसला अभी तक पक्का नहीं हुआ है। यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि रिटेंशन की समय सीमा 15 नवंबर है। तब तक, फ्रेंचाइजी को उन खिलाड़ियों के नाम जमा करने होंगे जिन्हें वे नीलामी से पहले रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। बड़े पैमाने पर बदलाव के कोई संकेत नहीं हैं, सिवाय शायद चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के, जो पिछले सीजन में सबसे निचले पायदान पर रहे थे।

ये खिलाड़ी हो सकते हैं रिलीज

रिलीज सूची में कथित तौर पर शामिल खिलाड़ियों में

दीपक हुड्डा, विजय शंकर, राहुल त्रिपाठी, सैम करेन और चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के डेवोन कॉनवे भी शामिल हैं। आर अश्विन के IPL से संन्यास लेने के बाद पांच बार की चैंपियन टीम के पास पहले ही 9.75 करोड़ रुपए जुड़ चुके हैं। रॉयल्स की सूची में सबसे ऊपर संजू सैमसन होंगे, जब तक कि फ्रेंचाइजी कप्तान के लिए कोई ट्रेड नहीं कर लेती।

रॉयल्स द्वारा अपने दो श्रीलंकाई स्पिनरों वानिंदु हसरंगा और महेश दीक्षाना को रिलीज करने की योजना की भी चर्चा थी, लेकिन कुमार संगकारा के मुख्य कोच के रूप में वापसी के साथ यह सोच बदल सकती है। टी नटराजन, मिशेल स्टार्क, आकाशदीप, मयंक यादव और डेविड मिलर जैसे खिलाड़ियों को नई फ्रेंचाइजी की तलाश करनी पड़ सकती है, हालांकि अभी तक इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है - ठीक वैसे ही जैसे पिछली नीलामी में तीसरे सबसे महंगे खिलाड़ी वेंकटेश अय्यर के मामले में हुआ था, जिन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स ने 23.75 करोड़ रुपये में खरीदा था।

फ्रेंचाइजी के बीच चल रही चर्चा के अनुसार कैमरून ग्रीन के नीलामी में सबसे चर्चित नामों में से एक होने की उम्मीद है। चोट के कारण पिछली नीलामी से चूकने वाले इस ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ने पहले ही कई टीमों का ध्यान आकर्षित कर लिया है और निश्चित रूप से उन पर कड़ी नजर रखी जाएगी।

राहुल डब्ल्यूटीसी में 2000 रन बनाने वाले बल्लेबाजों के विशेष क्लब में शामिल

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज़ केएल राहुल ने वेस्टइंडीज़ के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले ही दिन 16 रन बनाने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली। इसी के साथ ही राहुल चैंपियनशिप विश्व टेस्ट (डब्ल्यूटीसी) में 2000 रन बनाने वाले सातवें भारतीय बल्लेबाज़ बन गये। राहुल ने जेडन सील्स की गेंद पर लगातार दो चौके लगाकर अपने 2000 रन पूरे किये। इसके साथ ही वह विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ डब्ल्यूटीसी में 2000 से अधिक रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की एक खास सूची में शामिल हो गये। अभी भारतीय टीम की ओर से डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा रन ऋषभ पंत के नाम 2731 हैं। उनके बाद रोहित शर्मा 2716 रन , शुभमन गिल 2697 रन, विराट कोहली 2617 रन, रवींद्र जडेजा 2505 रन और यशस्वी जायसवाल 2251 रन हैं। वहीं विश्व में सबसे अधिक रन का रिकार्ड इंग्लैंड के जो रूट के नाम है। रूट ने अब तक 69 टेस्ट मैचों में 6080 रन बनाए हैं।

प्रशंसक रोहित, विराट की बल्लेबाज देखने स्टेडियम जरुर जाएं : हैडिन

सिडनी । इस माह भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलिया दौर में सभी के आकार्षण का केन्द्र भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली रहेंगे। ये दोनो ही करीब सात महीने बाद खेलते नजर आयेंगे। इसी को लेकर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ब्रैड हैडिन ने क्रिकेट प्रशंसकों ने कहा है कि इस बार स्टेडियम जाकर मैच जरुर देख लें क्योंकि ये विराट और रोहित का अंतिम दौरा हो सकता है। हैडिन ने कहा, ' वे खेल के महान खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि यह आखिरी बार होगा जब वे हमारे मैदानों पर खेलते दिखेंगे। इसलिए उनको खेलते हुए देखने के इस अवसर को मत खोना।' उन्होंने कहा कि शुभमन के कप्तान बनने के बाद अब रोहित केवल एक बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे। भारतीय टीम का ये दौरा 19 अक्टूबर से शुरू होगा, जिसमें वह तीन एकदिवसीय और पाँच टी20 मैच ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी। विराट और रोहित, दोनों ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया है और अब ये दोनो केवल एकदिवसीय सीरीज में ही नजर आयेंगे। टी20 से इन्होंने पहले ही संन्यास ले लिया था। रोहित ने साल 2017 में एकदिवसीय कप्तानी संभाली थी और अब तक 56 मैचों में 42 जीत दर्ज की हैं। उनका 75फीसदी का जीत प्रतिशत उन्हें दुनिया के सबसे सफल सफेद गेंद कप्तानों में शामिल करता है। हैडिन ने भारतीय टीम के उभरते हुए टी20 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की भी जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि अभिषेक की आक्रामक बल्लेबाजी को देखने के लिए पैसे खर्च करो।'

पूर्व क्रिकेटर जूलियन की याद में काली पट्टी बांधकर उतरी वेस्टइंडीज टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के खिलाफ शुक्रवार से यहां शुरु हुए दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में मेहमान टीम वेस्टइंडीज के खिलाड़ी काली पट्टी बांधकर उतरे। रोस्टन चेज की कप्तानी वाली इंडीज टीम के खिलाड़ियों ने दिवंगत बर्नार्ड जूलियन की याद में काली पट्टी बांधी थी। 75 साल के जूलियन का 4 अक्टूबर को त्रिनिदाद एंड टोबैगो के वाल्सेन में निधन हो गया। जूलियन ने वेस्टइंडीज की ओर से साल 1973-77 के दौरान 24 टेस्ट और 12 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले थे। टेस्ट क्रिकेट में जूलियन ने 30.92 की औसत से 866 रन बनाए हैं। इसमें दो शतक और 3 अर्धशतक शामिल हैं। जूलियन ने टेस्ट मैचों में 37.36 के औसत से 50 विकेट भी लिए हैं। वह 1975 विश्वकप विजेता टीम के भी सदस्य रहे थे।

जूलियन के नाम पर एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में 14.33 की औसत से 86 रन दर्ज हैं। उनके नाम 18 विकेट भी हैं। दिल्ली टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज ने अपनी टीम में दो बदलाव किए. ब्रैंडन किंग और जोहान लेन की जगह पर विकेटकीपर टेविन इमलाच और तेज गेंदबाज एंडरसन फिलिप को शामिल किया गया है। दूसरी ओर भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

मैक्सवेल को भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में खेलने की उम्मीद

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल भारतीय टीम के खिलाफ अगले माह होने वाली टी20 सीरीज से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। मैक्सवेल अभी कलाई की सर्जरी से उबर रहे हैं। मैक्सवेल को उम्मीद है कि वह भारतीय टीम के खिलाफ टी20 सीरीज के अंतिम तीन मैचों तक पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। मैक्सवेल ने अपनी दाहिनी कलाई की सर्जरी कराई है। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले नेट सत्र के दौरान चोटिल हो गये थे। उन्हें भारत के खिलाफ 29 और 31 अक्टूबर को होने वाले पहले दो टी20 मैचों के लिए शामिल नहीं किया गया है। मैक्सवेल ने कहा, ''मुझे लगता है कि सर्जरी के बाद मेरे भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज में खेलने की थोड़ी उम्मीद बनी है हालांकि इसके लिए मुझे शीघ्र फिटनेस हासिल करनी होगी।'' मैक्सवेल ने जल्द से जल्द फिट होने के लिए सर्जरी का विकल्प चुना, जिससे वह भारतीय टीम के साथ होने वाली सीरीज के अंतिम तीन मैचों में खेल सकें। ये मैच होबार्ट में दो नवंबर, गोल्ड कोस्ट में छह नवंबर और ब्रिस्बेन में आठ नवंबर को खेले जाएंगे। उन्होंने आगे कहा, ''मैंने सर्जरी इसलिए करवाई, क्योंकि मुझे दो विकल्प दिए गए थे या तो मैं भारत के खिलाफ सीरीज से हट जाऊं या उसमें खेलने के लिए अपनी उम्मीद बनाये रखूं। इससे मेरी उस सीरीज में खेलने की उम्मीद बनी रहेगी। यदि ऐसा नहीं हुआ तो भी मैं बीबीएल में खेल पाउंगा और मुझे लगता है कि इससे मुझे शारीरिक तौर पर पूरी तरह से फिट रहने में सहायता मिलेगी।'' मैक्सवेल ने कहा कि उनकी कलाई से प्लास्टर हटा दिया गया है पर अभी वह सावधानी रखने के लिए प्लास्टिक की पट्टी पहनेंगे पर उन्हें कलाई को फिर से हिलाने-डुलाने की अनुमति मिल गयी है। टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने भविष्य को लेकर उन्होंने कहा कि वह अभी ज्यादा आगे का नहीं सोच रहे। मैक्सवेल ने कहा, ''मैं इस समय सचमुच बीबीएल के पहले दौर के बारे में सोच रहा हूं।'' मैक्सवेल ने कहा कि वह आगामी बिग बैश लीग (बीबीएल) को लेकर उत्साहित हैं, जहां वह मेलबर्न स्टार्स की कप्तानी करेंगे। उन्होंने पूर्व भारतीय स्पिनर आर अश्विन के साथ अनुबंध को टूर्नामेंट के लिए बड़ी उपलब्धि बताया।

विराट-रोहित अजीत अगरकर की शर्तों पर सहमत, न्यूजीलैंड वनडे से पहले घरेलू टूर्नामेंट में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के वरिष्ठ बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा ने मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के निर्देशों का पालन करते हुए आगामी विजय हज़ारे ट्रॉफी में खेलने पर सहमति जताई है। यह फैसला जनवरी में होने वाली न्यूज़ीलैंड वनडे सीरीज़ से पहले लिया गया है। अगरकर ने हाल ही में स्पष्ट किया था कि हर केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी, जो फिट और उपलब्ध है, उसे घरेलू क्रिकेट में हिस्सा लेना होगा ताकि 2027 वनडे विश्व कप सहित भविष्य की टीम चयन प्रक्रिया में अपनी दावेदारी बनाए रखी जा सके।

अगरकर का सख्त निर्देश- 'घरेलू क्रिकेट से दूरी अब बर्दाश्त नहीं'

चयनकर्ता अजीत अगरकर ने वरिष्ठ खिलाड़ियों के लगातार घरेलू टूर्नामेंटों से दूरी बनाए रखने पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि अंतरराष्ट्रीय मैचों के बीच लंबा ब्रेक लेने वाले खिलाड़ियों को विजय हज़ारे ट्रॉफी और रणजी ट्रॉफी जैसे टूर्नामेंटों में खेलना अनिवार्य होगा। ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज की घोषणा के दौरान अगरकर ने दो टूक कहा था, ÷घरेलू क्रिकेट राष्ट्रीय टीम का आधार है। जो खिलाड़ी चयन की दौड़ में रहना चाहते हैं, उन्हें उसमें भाग लेना ही होगा।'

कोहली और रोहित की उपलब्धता की पुष्टि

रिपोर्ट के मुताबिक, कोहली और रोहित दोनों ने 24 दिसंबर से शुरू हो रही विजय हज़ारे ट्रॉफी के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि कर दी है। दोनों खिलाड़ी कम से कम तीन से चार मैच खेलने के लिए तैयार हैं।

बीसीसीआई सूत्रों के हवाले से एक

रिपोर्ट में कहा गया, '6 दिसंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंतिम वनडे और 11 जनवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे के बीच पाँच हफ़्तों का अंतर है। इस दौरान खिलाड़ी अपनी राज्य टीमों के लिए खेल सकते हैं।' रोहित मुंबई और कोहली दिल्ली का प्रतिनिधित्व करेंगे।

भारत के विनय ने पैरा पावरलिफ्टिंग विश्व चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण

काहिरा (मिस्त्र) (एजेंसी)। भारत के उभरते पैरा पावरलिफ्टिंग स्टार विनय ने काहिरा, मिस्त्र में आयोजित पैरा पावरलिफ्टिंग विश्व चैंपियनशिप 2025 के दूसरे दिन 72 किग्रा जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। विनय ने अपने तीन प्रयासों में 137 किग्रा, 142 किग्रा और 147 किग्रा की प्रभावशाली श्रृंखलाएं दर्ज कीं। उनके 147 किग्रा के अंतिम भार को रेफरी ने अमान्य घोषित कर दिया, लेकिन 142 किग्रा का उनका दूसरा सफल भार स्वर्ण पदक हासिल करने के लिए पर्याप्त था जिसमें उन्होंने पोलैंड के मिकोलज कोसियुबिंस्की को, जिन्होंने 141 किग्रा भार उठाया था, मामूली अंतर से हराया।

इक्वाडोर के सेबेस्टियन एफ. ने 137 किग्रा भार उठाकर कांस्य पदक जीता। यह विनय की दूसरी बड़ी अंतरराष्ट्रीय जीत है - इससे पहले, उन्होंने मिस्त्र के शर्म-अल-शेख में पैरा पावरलिफ्टिंग विश्व कप 2024 में 59 किग्रा जूनियर वर्ग में 120 किग्रा भार उठाकर स्वर्ण पदक जीता था। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के रहने वाले विनय का सफर साहस और दृढ़ संकल्प से भरा है। एक गरीब परिवार में जन्मे - उनके पिता दिहाड़ी मजदूर हैं - विनय का जीवन तब बदल गया जब भारतीय पैरा पावरलिफ्टिंग टीम के कोच जे.पी. सिंह ने एक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उनकी प्रतिभा को पहचाना।

सिंह के मार्गदर्शन में विनय ने अपनी क्षमता को विश्व स्तरीय प्रदर्शन में बदल दिया। यह स्वर्ण पदक न केवल भारत के लिए अपार गौरव की बात है, बल्कि लॉस एंजेलिस पैरालंपिक 2028 के लिए क्वालीफाई करने के रास्ते में विनय की स्थिति को भी मजबूत करता है। स्वर्ण पदक जीतने के बाद, उत्साहित विनय ने कहा, 'यह पदक सिर्फ़ मेरा नहीं है - यह हर उस व्यक्ति का है जिसने मुझ पर तब विश्वास किया जब मेरे पास कुछ नहीं था।

गोरखपुर की छोटी गलियों से लेकर काहिरा के विश्व मंच तक, यह सफर आसान नहीं था। मैं भारतीय टीम के कोच जितेंद्र पाल सिंह, राजिंदर सिंह राहेलू और नितिन आर्य सर का शुक्रिया अदा करता हूँ जिन्होंने मुझमें उस समय क्षमता देखी जब किसी और ने नहीं देखी थी। मैं यह स्वर्ण पदक अपने परिवार, अपने देश और हर उस युवा एथलीट को समर्पित करता हूँ जो परिस्थितियों से परे सपने देखने की हिम्मत रखता है।'

भारतीय टीम के कोच जेपी सिंह ने कहा, 'विनय की जीत कड़ी मेहनत, अनुशासन और विश्वास की सफलता का प्रतिबिंब है। जब मैं उनसे पहली बार मिला था, तब उनमें अटूट शक्ति थी, लेकिन कोई औपचारिक प्रशिक्षण नहीं था। आज,

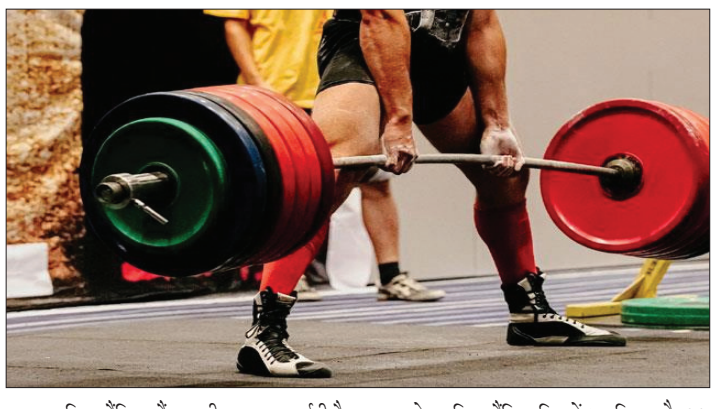

वह एक विश्व चैंपियन हैं। उनकी सफलता दर्शाती है कि सही समर्थन के साथ, भारत के पैरा एथलीट किसी भी वैश्विक मंच पर विजय प्राप्त कर सकते हैं।' भारत ने इस विश्व चैंपियनशिप में 3 जूनियर और 22 सीनियर एथलीटों सहित 25 पैरा पावरलिफ्टरों की एक मजबूत टीम उतारी है।

शाहीन अफरीदी की पाकिस्तान टेस्ट टीम में वापसी, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिला मौका

लाहौर । बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की करीब 17 महीनों के लंबे अंतराल के बाद पाकिस्तान की टेस्ट टीम में वापसी हो रही है। पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो मैचों की श्रृंखला का पहला टेस्ट मैच 12 अक्टूबर से लाहौर में शुरू होगा। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के नए चक्र में यह दोनों टीमों का पहला मैच होगा। पाकिस्तान टीम प्रबंधन ने 16 सदस्यीय टीम में चार विशेषज्ञ स्पिनरों को शामिल किया है। ऐसी चर्चा है कि ये मैच स्पिनरों की मददगार पिच पर खेले जायेंगे लेकिन टीम पहले टेस्ट में संतुलित गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरेगी। शाहीन शाह अफरीदी, खुर्रम शहजाद के साथ नयी गेंद संभालेंगे, जबकि स्पिन का दारोमदार नौमान अली और साजिद खान पर होगा। 25 साल के शाहीन ने मई 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ अपना पिछला टेस्ट मैच खेला था। दक्षिण अफ्रीका ने डब्ल्यूटीसी चैंपियनशिप का फाइनल जून में लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया को हराकर जीता था। टीम को पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला में हालांकि कप्तान तेम्बा बावुमा की सेवाएं नहीं मिलेंगी। वह चोटिल होने के कारण इस दौरे पर नहीं आए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भिंडी एक लोकप्रिय सब्जी है। सब्जियों में भिंडी का प्रमुख स्थान है जिसे लोग लेडीज फिंगर या ओकरा के नाम से भी जानते हैं। भिंडी की अगेती फसल लगाकर किसान भाई अधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं। मुख्य Lady Fingerv रुप से भिंडी में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, खनिज लवणों जैसे कैल्शियम, फास्फोरस के अतिरिक्त विटामिन ए, बी, सी, थाईमीन एवं रिबोफ्लेविन भी पाया जाता है।

भिंडी की खेती-बुआई एवं खेत की तैयारी

इसमें विटामिन ए तथा सी पर्याप्त मात्रा में पाये जाते हैं। भिंडी के फल में आयोडीन की मात्रा अधिक होती है। भिंडी का फल कब्ज रोगी के लिए विशेष गुणकारी होता है। म.प्र. में लगभग 23500 हे. में इसकी खेती होती है। प्रदेश के सभी जिलों में इसकी खेती की जा सकती है।

अधिक उत्पादन तथा मौसम की भिंडी की उपज प्राप्त करने के लिए संकर भिंडी की किस्मों का विकास कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किया गया हैं। ये किस्में यलो वेन मोजकै वाइरस रोग को सहन करने की अधिक क्षमता रखती हैं। इसलिए वैज्ञानिक विधि से खेती करने पर उच्च गुणवत्ता का उत्पादन कर सकते हैं।

भूमि व खेत की तैयारी

भिंडी के लिये दीर्घ अवधि का गर्म व नम वातावरण श्रेष्ठ माना जाता है। बीज उगने के लिये 27-30 डिग्री सेग्रे तापमान उपयुक्त होता है तथा 17 डिग्री सें.ग्रे से कम पर बीज अंकुरित नहीं होता। यह फसल ग्रीष्म तथा खरीफ, दोनों ही ऋतुओं में उगाई जाती है। भिंडी को उत्तम जल निकास वाली सभी तरह की भूमियों में उगाया जा सकता है। भूमि का पी0 एच मान 7.0 से 7.8 होना उपयुक्त रहता है। भूमि की दो-तीन बार जुताई कर भुरभुरी कर तथा पाटा चलाकर समतल कर लेना चाहिए।

उत्तम किस्में

पूसा ए-4

यह भिंडी की एक उन्नत किस्म है।

यह प्रजाति 1995 में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा निकाली गई है।

यह एफिड तथा जैसिड के प्रति सहनशील है।

यह पीतरोग यैलो वेन मोजैक विषाणु रोधी है।

फल मध्यम आकार के गहरे, कम लस वाले, 12-15 सेमी लंबे तथा आकर्षक होते हैं।

बोने के लगभग 15 दिन बाद से फल आना शुरू हो जाते है तथा पहली तुड़ाई 45 दिनों बाद शुरु हो जाती है।

इसकी औसत पैदावार ग्रीष्म में 10 टन व खरीफ में 15 टन प्रति है।

परभनी क्रांति

यह किस्म पीत-रोगरोधी है।

यह प्रजाति 1985 में मराठवाड़ाई कृषि विश्वविद्याल य, परभनी द्वारा निकाली गई है।

फल बुआई के लगभग 50 दिन बाद आना शुरू हो जाते हैं।

फल गहरे हरे एवं 15-18 सेंमी लम्बे होते हैं।

इसकी पैदावार 9-12 टन प्रति है।

पंजाब-7

यह किस्म भी पीतरोग रोधी है। यह प्रजाति पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना द्वारा निकाली गई है। फल हरे एवं मध्यम आकार के होते हैं। बुआई के लगभग 55 दिन बाद फल आने शुरू हो जाते हैं। इसकी पैदावार 8-12 टन प्रति है।

अर्का अभय

यह प्रजाति भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर द्वारा निकाली गई हैं।

यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी हैं।

इसके पौधे ऊँचे 120-150 सेमी सीधे तथा अच्छी शाखा युक्त होते हैं।

अर्का अनामिका

यह प्रजाति भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर द्वारा निकाली गई है।

यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी है।

इसके पौधे ऊँचे 120-150 सेमी सीधे व अच्छी शाखा युक्त होते हैं।

फल रोमरहित मुलायम गहरे हरे तथा 5-6 धारियों वाले होते हैं।

फलों का डंठल लम्बा होने के कारण तोड़ने में सुविधा होती है।

यह प्रजाति दोनों ऋतुओं में उगाई जा सकती हैं।

पैदावार 12-15 टन प्रति है हो जाती हैं।

हिसार उन्नत

यह प्रजाति चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा निकाली गई है।

पौधे मध्यम ऊँचाई 90-120 सेमी तथा इंटरनोड पासपास होते हैं।

पौधे में 3-4 शाखाएं प्रत्येक नोड से निकलती हैं। पत्तियों का रंग हरा होता हैं।

पहली तुड़ाई 46-47 दिनों बाद शुरु हो जाती है।

औसत पैदावार 12-13 टन प्रति है होती हैं।

फल 15-16 सेंमी लम्बे हरे तथा आकर्षक होते हैं।

यह प्रजाति वर्षा तथा गर्मियों दोनों समय में उगाई जाती हैं।

वी.आर.ओ.-6

इस किस्म को काशी प्रगति के नाम से भी जाना जाता है।

यह प्रजाति भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी द्वारा 2003 में निकाली गई हैं।

वर्षा उपहार

यह प्रजाति चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा निकाली गई है।

यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी हैं।

पौधे मध्यम ऊँचाई 90-120 सेमी तथा इंटरनोड पासपास होते हैं।

पौधे में 2-3 शाखाएं प्रत्येक नोड से निकलती हैं।

पत्तियों का रंग गहरा हरा, निचली पत्तियां चौड़ी व छोटे छोटे लोब्स वाली एवं ऊपरी पत्तियां बड़े लोब्स वाली होती है।

वर्षा ऋतु में 40 दिनों में फूल निकलना शुरु हो जाते हैं व फल 7 दिनों बाद तोड़े जा सकते हैं।

फल चौथी पांचवी गाठों से पैदा होते हैं। औसत पैदावार 9-10 टन प्रति हे. होती हैं।

इसकी खेती ग्रीष्म ऋतु में भी कर सकते हैं।

यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी हैं।

पौधे की औसतन ऊँचाई वर्षा ऋतु में 175 सेमी तथा गर्मी में 130 सेमी होती है।

इंटरनोड पासपास होते हैं।

औसतन 38 वें दिन फूल निकलना शुरु हो जाते हैं।

गर्मी में इसकी औसत पैदावार 13.5 टन एवं बरसात में 18.0 टन प्रति हे. तक ली जा सकती है।

बीज की मात्रा व बुआई का तरीका

सिंचित अवस्था में 2.5 से 3 किग्रा तथा असिंचित दशा में 5-7 किग्रा प्रति हेक्टेअर की आवश्यकता होती है। संकर किस्मों के लिए 5 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की बीजदर पर्याप्त होती है। भिंडी के बीज सीधे खेत में ही बोये जाते हैं। बीज बोने से पहले खेत को तैयार करने के लिये 2-3 बार जुताई करनी चाहिए। वर्षाकालीन भिंडी के लिए कतार से कतार दूरी 40-45 सें.मी. एवं कतारों में पौधे की बीच 25-30 सें.मी. का अंतर रखना उचित रहता है। ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई कतारों में करनी चाहिए। कतार से कतार की दूरी 25-30 सें.मी. एवं कतार में पौधे से पौधे के मध्य दूरी 15-20 से.मी. रखनी चाहिए। बीज की 2 से 3 से.मी. गहरी बुवाई करनी चाहिए। बुवाई के पूर्व भिंडी के बीजों को 3 ग्राम मेन्कोजेब कार्बेन्डाजिम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करना चाहिए। पूरे खेत को उचित आकार की पट्टियों में बांट लें जिससे कि सिंचाई करने में सुविधा हो। वर्षा ऋतु में जल भराव से बचाव हेतु उठी हुई क्यारियों में भिण्डी की बुवाई करना उचित रहता है।

बुआई का समय

ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई फरवरी-मार्च में तथा वर्षाकालीन भिंडी की बुवाई जून-जुलाई में की जाती है। यदि भिंडी की फसल लगातार लेनी है तो तीन सप्ताह के अंतराल पर फरवरी से जुलाई के मध्य अलग-अलग खेतों में भिंडी की बुवाई की जा सकती है।

खाद और उर्वरक

भिंडी की फसल में अच्छा उत्पादन लेने हेतु प्रति हेक्टेर क्षेत्र में लगभग 15-20 टन गोबर की खाद एवं नत्रजन, स्फुर एवं पोटाश की क्रमश : 80 कि.ग्रा., 60 कि.ग्रा. एवं 60 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से मिट्टी में देना चाहिए। नत्रजन की आधी मात्रा स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के पूर्व भूमि में देना चाहिए। नत्रजन की शेष मात्रा को दो भागों में 30-40 दिनों के अंतराल पर देना चाहिए।

निराई व गुड़ाई

नियमित निंदाई-गुड़ाई कर खेत को खरपतवार मुक्त रखना चाहिए। बोने के 15-20 दिन बाद प्रथम निंदाई-गुड़ाई करना जरुरी रहता है। खरपतवार नियंत्रण हेतु रासायनिक कीटनाशकों का भी प्रयोग किया जा सकता है। खरपतवारनाशी फ्ल्यूक्लरेलिन के 1.0 कि.ग्रा. सक्रिय तत्व मात्रा को प्रति हेक्टेयर की दर से पर्याप्त नम खेत में बीज बोने के पूर्व मिलाने से प्रभावी खरपतवार नियंत्रण किया जा सकता है।

सिंचाई

सिंचाई मार्च में 10-12 दिन, अप्रैल में 7-8 दिन और मई-जून में 4-5 दिन के अन्तर पर करें। बरसात में यदि

जैट्रोफा की खेती

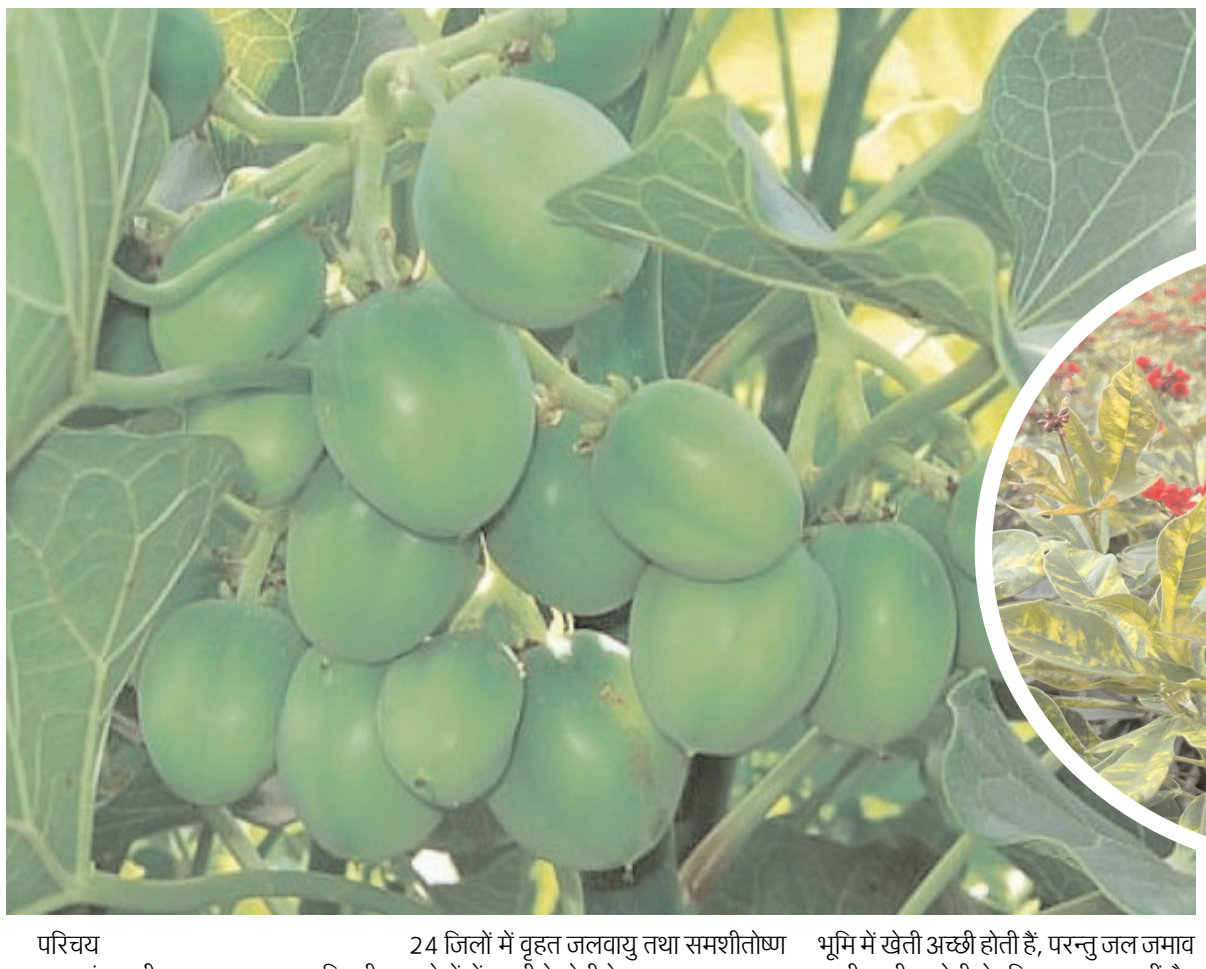

परिचय

झारखंड की जलवायु तथा मिटटी जैट्रोफा की खेती के लिए उपयुक्त है। सभी 24 जिलों में वृहत जलवायु तथा समशीतोष्ण प्रक्षेत्रों में पथरीले, रेतीले, कम उपजाऊ तथा बंजर भूमि पर खेती की जा सकती है। दोमट भूमि में खेती अच्छी होती हैं, परन्तु जल जमाव वाली जमीन खेती के लिए उपयुक्त नहीं है। अन्य प्रदेशों में जैसे मध्य प्रदेश, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान आदि के किसान भी जैट्रोफा की खेती करते है।

कैसे करें रतनजोत की खेती

जैट्रोफा को आम भाषा में रतनजोत कहा जाता है। इसे विभिन्न स्थानों पर लगभग 200 नामों से जाना जाता है जैसे सफेद अरण्ड, जंगली अरण्ड, बाघ्र अरण्ड, चदर्जोत, जमालगोटा आदि। इसका वैज्ञानिक नाम फजैट्रोफा करकसफ है। किसान जुलाई माह में जैट्रोफा के बीज सीधी बुआई द्वारा तैयार गड्ढों में कर जैट्रोफा के पौधे उगा सकते है। बोने के पहले बीज को 12 घंटों तक पानी में भिंगोते हैं।

नर्सरी में तैयार पौधों को किसान अपने बंजर भूमि एवं खेतों के मेड़ों में लगा सकते है। नर्सरी में तैयार करने के लिए मार्च-अप्रैल महीने में 1 मी. × 10 मी. तथा 5 सें.मी. दूरी पर 2 सें.मी. की गहराई पर बोयें। इसे कटिंग द्वारा भी लगाया जा सकता है। कटिंग 2-3 माह बाद नर्सरी बेड से रोपाई वाले क्षेत्र में जुलाई-अगस्त में लगाते हैं।

प्रभेद - आर जे-117 जी.आई.ई. नागपुर, बामुंडा तथा एसडीएयूटी-1 अधिक उपज देती है।

उपज- दिसम्बर-जनवरी में काले रंग के फलों को तोड़ लेते है। तीसरे वर्ष किग्रा. बीज प्रति पौधा प्राप्त होता है। पौधे वर्ष में 1 किग्रा./पौधा तथा आगे प्रति वर्ष उपज बढ़ती है। स्वस्थ एवं मजबूत पौधे होने पर 3-4 किग्रा. प्रति पौधा की दर से उपज प्राप्त कर सकते है। प्राय- 6-10 रु./किग्रा. बीज की विक्रय दर से आय प्राप्त कर सकते है। पेराई कर तेल बेचने पर अधिक आय मिलती है।

जैट्रोफा की खेती-किसानों के लिए उपयोगी

व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्तर पर जैट्रोफा की खेती रोजगार के रूप में की जा सकती है। गाँवों की पथरीली एवं बंजर भूमि पर इसकी खेती कर के रोजगार एवं आय का सरल स्त्रोत माना जा सकता है। पौधों को जंगली पशु, पालतू पशु एवं फलों एवं बीजों को चिडियों से नुकसान नहीं होता है। अच्छी रख-रखाव होने से 30-40 वर्षो तक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकते है। इसका उपयोग जैव इंधन, औषधि, जैविक खाद, रंग बनाने, भूमि सुधार, भूमि कटाव रोकने, खेत की मेड पर बाड़ के रूप में तथा ग्रामीण स्तर पर रोजगार बढ़ाने के लिए करते है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

1.45 करोड़ की लूट मामले में टीआई सहित 9 पुलिसकर्मी सस्पेंड

सिवनी (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में सिवनी पुलिस पर 1.45 करोड़ की लूट के आरोप लगे हैं। मामले कार्रवाई करते हुए आईजी प्रमोद वर्मा ने बंडोल टीआई सहित 9 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया है, सीएसपी पूजा पांडे के खिलाफ कार्रवाई के लिए प्रस्ताव बनाकर शासन को भेज दिया गया है। पुलिस के सूत्रों ने बताया कि कटनी से नागपुर के लिए एक कारोबारी अपनी गाड़ी में हवाला के 1.45 करोड़ लेकर जा रहा था। तभी पुलिस को इस बात की सूचना मिली, इसके बाद गाड़ी को सीलादेही के पास रोककर 1.45 करोड़ बरामद किए गए। आरोप है कि पुलिस ने कार्रवाई न करने का आश्वासन देकर व्यापारी को जाने देकर राशि का गबन किया। दूसरे दिन जब व्यापारी वापस पहुंचा और कोतवाली में पूरी घटना की शिकायत दी। तब पूरे मामले का खुलासा हुआ। निलंबित पुलिसकर्मियों में बंडोल टीआई अर्पित भैरम, सीएसपी का रीडर रविंद्र उइके, ड्राइवर, दो गनर, सीएसपी कार्यालय में तैनात दो आरक्षक और बंडोल थाने का एक आरक्षक शामिल है। आईजी वर्मा ने बताया कि 1.45 करोड़ की बरामदगी के मामले में बंडोल टीआई सहित 9 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया है। साथ ही सीएसपी पूजा पांडे के ख़िलाफ़ कार्रवाई के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा जा रहा है।

तमिलनाडु के प्रसिद्ध तिरुचेंदूर सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में कुल 5.28 करोड़ का चढ़ावा आया

थूथुकुडी (एजेंसी)। तमिलनाडु के प्रसिद्ध तिरुचेंदूर सुब्रमण्य स्वामी मंदिर को श्रद्धालुओं से भारी मात्रा में चढ़ावा मिला है। मंदिर प्रशासन के अनुसार, हाल ही में खुले हंडियों (दानपात्र) से कुल 5.28 करोड़ का चढ़ावा प्राप्त हुआ है। इसमें नकद राशि के साथ 1,905 ग्राम सोना और 72,255 ग्राम चांदी शामिल है। शुक्रवार को चढ़ावे की गिनती का कार्य शुरू हुआ, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस प्रक्रिया की निगरानी ठक्कर अरुलमुरुगन और जॉइंट कमिश्नर रामू कर रहे हैं। गिनती में शिवकाशी पथिनेन सिद्धार मठ पीड़म टीम की मदद ली जा रही है। पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए मंदिर प्रशासन ने सख्त सुरक्षा व्यवस्था की है। तिरुचेंदूर सुब्रमण्य स्वामी मंदिर भगवान मुरुगन के छह प्रमुख तीर्थस्थलों में से एक है। यहां हर साल लाखों भक्त दर्शन के लिए आते हैं। विशेष रूप से त्यौहरों और कार्तिगई दीपम के दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। मंदिर अधिकारियों ने बताया कि प्राप्त चढ़ावे का उपयोग मंदिर के रखरखाव, सामाजिक कल्याण और भक्तों की सुविधाओं के विस्तार में किया जाएगा। सोना और चांदी को धार्मिक परंपराओं के अनुसार संरक्षित किया जाएगा। इस भारी चढ़ावे ने एक बार फिर तिरुचेंदूर मंदिर की धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता को उजागर किया है, जहां भक्त आस्था और श्रद्धा के साथ अपनी भेंट अर्पित करते हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में 37 दिनों में फैसला, आरोपी को 20 साल की जेल और 50 हजार जुर्माना

भुवनेश्वर (एजेंसी)। भुवनेश्वर में विशेष न्यायाधीश प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फॉम सेक्सुअल ऑफेंसेस (पॉक्सो) सह चौथे अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, खुर्दा ने ऐतिहासिक और त्वरित फैसले में एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के आरोपी को 37 दिनों के भीतर दोषी ठहराया। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) सुभंजन मोहंती ने दुष्कर्म और गंभीर यौन उत्पीड़न के मामले में मामला दर्ज होने की तारीख से 37 दिनों के भीतर दोषसिद्धि का फैसला सुनाया। दोषी मुन्ना बेहरा को 20 साल के सश्रम कारावास (आरआई) और 50,000 रुपये के जुर्माने का भुगतान करने की सजा सुनाई गई है। जुर्माना ना देने पर एक साल अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। अदालत ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) को अदालत द्वारा पीड़िता को छह लाख रुपये का मुआवजा देने का भी निर्देश दिया।विशेष लोक अभियोजक सुब्रत प्रियदर्शिनी ने भुवनेश्वर के अभियोजन उप निदेशक हेमंत कुमार स्वाई की सक्रिय निगरानी में मामले की सुनवाई की थी।

आतंकी जैश संगठन अब महिलाओं का कर रहा ब्रेनवॉश, तैयार कर रहा ब्रिगेड

-पढ़ी-लिखी और शहरी महिलाओं को आकर्षित करने दे रहा धार्मिक रंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान और पीओके में कई आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था, जिसमें जैश का हेडक्वार्टर भी शामिल था। अब एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि जैश के आतंकी भारत के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जैश-ए-मोहम्मद अब महिलाओं का एक ब्रिगेड तैयार कर रहा है। 2024 के बाद से महिलाओं के बीच प्रभाव बढ़ाने के मकसद से जैश ने जमात अल-मुमिनात नाम की महिलाओं की ब्रिगेड तैयार की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस ग्रुप का जिक्र एक सर्कुलर में किया गया है, जिसका इस्तेमाल महिला सदस्यों की भर्ती और उन्हें प्रभावित करने के लिए किया जा रहा है। रिपोर्ट में खुफिया एजेंसियों के सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि जमात अल-मुमिनात जैश-ए-मोहम्मद का महिला विंग है, जो साइकोलॉजिकल वारफेयर और ग्राउंड लेवल पर भर्ती के लिए काम कर रहा है। यह ग्रुप जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश और दक्षिण भारत के राज्यों में ऑनलाइन नेटवर्क के जरिए सक्रिय है। इसका काम धर्म के नाम पर महिलाओं का ब्रेनवाश करना है। सूत्रों के मुताबिक जैश के सर्कुलर में मक्का और मदीना की तस्वीरें लगाई गई है ताकि संगठन की बातों को धार्मिक रंग दिया जा सके। वहीं इसके जरिए पढ़ी-लिखी और शहरी महिलाओं को आकर्षित करने के लिए भावनात्मक बातें भी लिखी गई हैं। जैश की तरह जमात अल-मुमिनात भी सेल-आधारित स्ट्रक्चर पर काम करती है। इसके अलग-अलग ग्रुप सोशल मीडिया के जरिए महिलाओं को भर्ती करने, चंदा जुटाने और संदेश पहुंचाने का काम करते हैं। सर्कुलर के पाकिस्तानी कनेक्शन के सबूत भी मिले हैं।

लखनऊ में बसपा के महा आयोजन में उड़ी भीड़ को देखकर विरोधियों की चिंता बढ़ना लाजमी : मायावती

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम मायावती ने लखनऊ में पार्टी संस्थापक कांशीराम की 19वीं पुण्यतिथि में शामिल होने आए लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विरोधियों की बातों पर बिना ध्यान दिए मिशन 2027 के लिए जुट जाए है। मायावती ने एक्स पर लिखा, बहुजन समाज पार्टी के जन्मदाता एवं संस्थापक कांशीराम जी के 19वें परिनिर्वाण दिवस पर लखनऊ के वीआईपी रोड पर बसपा की सरकार द्वारा निर्मित किए गए विशाल व भव्य 'मान्यवर कांशीराम स्मारक स्थल' में हुए महा आयोजन में अपने खून-पसीने की कमाई से हर उम्र के आए लोगों में भी खासकर युवाओं व महिलाओं की रिकॉर्ड तोड़ भीड़ व उनके जोश और उमंग के साथ-साथ प्रदेश के अगले चुनाव में अपनी बहनजी की पांचवीं बार सरकार बनाने के लिए जिद के साथ काम करने के दृढ़ संकल्प को देखकर विरोधी पार्टियों/ संगठनों आदि की नींद व उनके नेताओं के होश उड़ जाना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि इस क्रम में इनकी बेतुकी बातें एवं बयानबाज़ी को महत्व न देकर इनके बारे में कुछ ना कहा जाए यही बेहतर होगा। वैसे भी बहुजन समाज के लोग अपने वोटों के बलबूते पर शोषित से शासक वर्ग बनकर बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का सपना पूरा करने के लिए कितने तत्पर व संघर्षशील हैं, इसकी स्पष्ट झलक कल उन लोगों ने यूपी सहित पूरे देश में देख ली है। अब उन्हें विरोधियों के साम, दाम, दंड, भेद आदि हथकंडों से सजग व सावधान रहकर आगे अपने मिशन 2027 में पूरे तन, मन, धन से लग जाना है, यही संदेश है। साथ ही, लखनऊ में हुए महा-आयोजन में, इन्हें अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित करने के साथ-साथ बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष को सुनने के लिए यूपी के सभी 75 जिलों के गांव-गांव व शहर-शहर से बसपा के लाखों-लाखों की संख्या में पार्टी के लोग पहुंचे थे, जिन्हें सुरक्षित लाने व वापिस ले जाने में यूपी बसपा यूनिट के हर स्तर के सभी छोटे-बड़े पदाधिकारियों, नेताओं व वरिष्ठ कार्यकर्ताओं आदि ने अपनी अहम भूमिका निभाई है इन सभी की पार्टी बहुत-बहुत आभारी है।

मायावती ने कहा कि इस महा आयोजन में किसी न किसी रूप में उनके योगदान एवं भागीदारी के लिए पार्टी के सभी छोटे-बड़े पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, अनुयायियों, शुभचिन्तकों आदि का पूरे तहेदिल से बहुत-बहुत आभार, शुक्रिया व धन्यवाद।

केंद्रीय वन्यजीव कानून में संशोधन करने वाला पहला राज्य बना केरल : विजयन

तिरुअनंदपुरम (एजेंसी)। केरल के सीएम पिनराई विजयन ने कहा है कि केरल केंद्रीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 में संशोधन करने संबंधी विधेयक पारित करने वाला पहला राज्य बन गया है। विधानसभा ने केरल में मानव-पशु संघर्ष की बढ़ती घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से एक विधेयक पारित किया। सीएम विजयन ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट साझा कर कहा कि केरल वन्यजीव संरक्षण संशोधन विधेयक का पारित होना बढ़ते मानव-पशु संघर्षों को दूर करने और वन के पास रहने वाले समुदायों के लिए न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

उन्होंने कहा कि ये सुधार मानव जीवन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा और लोगों एवं प्रकृति के बीच सामंजस्य को बढ़ावा देने की केरल की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। मीडिया रिपोर्ट में आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक विधेयक राजभवन भेजा जाएगा वहां से इसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा क्योंकि यह केंद्रीय कानून से संबंधित है। यह विधेयक पिछले महीने विधानसभा में पेश किया गया था।

राज्य के वन मंत्री ए के शशींद्रन ने एक दिन पहले विधानसभा को सूचित किया था कि राज्य सरकार को इस केंद्रीय अधिनियम में संशोधन के लिए इसलिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि केंद्र सरकार से बार-बार अनुरोध करने के बावजूद बदलाव नहीं किए। उन्होंने कहा कि मानव-पशु संघर्ष एक ऐसा मुद्दा है जो राज्य की एक-तिहाई आबादी के जीवन को सीधे तौर पर प्रभावित करता है।

ट्रंप की प्रशंसा करने पर पीएम मोदी पर कांग्रेस नेता का तंज... अपने दावे का अर्धशतक पूरा किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और पार्टी के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रशंसा करने पर तीखा कटाक्ष किया, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा करते हुए अर्धशतक पूरा कर लिया कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए व्यापार और टैरिफ को इस्तेमाल किया।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ अपनी मुलाकात के दौरान, व्यापार और टैरिफ को अपना ब्रह्मास्त्र बनाकर ऑपरेशन सिंदूर रोकने के अपने दावे का अर्धशतक पूरा किया। ट्रंप की प्रशंसा और सराहना के लिए प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधकर कांग्रेस नेता ने गाजा में नरसंहार की निंदा न करने और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात न करने पर भी तंज कसा। कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को पूरा दिन ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर से बात करने और राष्ट्रपति ट्रंप की प्रशंसा करने में बिताया। बेशक, वह इस दौरान उस व्यक्ति से बात करना नहीं भूले जिसने गाजा में नरसंहार किया था, इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी। इससे पहले 9 अक्टूबर को, कांग्रेस सांसद ने कहा था कि गाजा शांति योजना के पहले चरण पर समझौते के बाद प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इज़राइली प्रधानमंत्री की बिना शर्त प्रशंसा चौंकाने वाली, शर्मनाक और नैतिक रूप से निंदनीय है। लेकिन चौंकाने वाली, शर्मनाक और नैतिक रूप से निंदनीय बात यह है कि श्री मोदी ने श्री नेतन्याहू की बिना शर्त प्रशंसा की है जिन्होंने पिछले बीस महीनों में गाजा में नरसंहार फैलाया है।

'नेपो बॉय' राहुल गांधी पर गिरिराज का बड़ा वार, कहा- यह लाल बबुआ अगंभीर नेता हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्हें ÷लाल बबुआ÷ कहा। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि कांग्रेस नेता विदेश में रहते हुए वीडियो कॉल के ज़रिए बिहार विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन कर रहे हैं। सिंह ने राहुल गांधी को एक गंभीर नेता करार देते हुए उन पर केवल भारत को नीचा दिखाने और देश में झूठी बातें फैलाने पर ध्यान केंद्रित करने का आरोप लगाया।

पत्रकारों से बात करते हुए, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी को एक विशेषाधिकार प्राप्त बेटा और नेपो बॉय बताया और कहा, 'एक शब्द है 'नेपो किड'। मैं उन्हें नेपो किड नहीं कहूँगा क्योंकि वह एक 'नेपो बॉय' हैं। एक विशेषाधिकार प्राप्त बेटा, वह एक 'लाल बबुआ' हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर वह विदेश में बैठकर वीडियो कॉल के ज़रिए उम्मीदवारों का चयन कर रहे हैं, तो मतदाता भी उनसे वर्चुअली मिलेंगे। वह एक अगंभीर नेता हैं जिनका एकमात्र काम भारत को नीचा दिखाना और देश में झूठी बातें फैलाना है।

गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विशेष जाँच रिपोर्ट (एसआईआर) पर दिए गए बयान पर भी प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिसमें उन्होंने उन पर अपने नेतृत्व में रोहिंग्या और बांग्लादेशी मुसलमानों को सुरक्षित महसूस कराने का आरोप लगाया। पश्चिम बंगाल में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं पर हमलों को उजागर करते हुए, सिंह ने कहा, 'ममता बनर्जी को खुद को भारत के एक राज्य की मुख्यमंत्री के रूप में स्वीकार करने की ज़रूरत है। वह सोचती हैं कि वह बंगाल की प्रधानमंत्री हैं, इसलिए वहाँ का कानून अलग है... केवल रोहिंग्या बांग्लादेशी मुसलमान (बंगाल में) सुरक्षित हैं...क्या भारतीय नागरिकों के लिए प्रमाणपत्र होना ज़रूरी होना चाहिए? मैं यह (प्रश्न) देश के नागरिकों के सामने रखता हूँ। तब ममता बनर्जी समझ जाएँगी।'

अयोध्या में घर में हुए विस्फोट पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। गिरिराज सिंह ने कहा, 'मुझे पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन विस्फोट एक दुखद खबर है। अभी तक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। जब मस्जिद में विस्फोट होगा, तब वे प्रतिक्रिया देंगे। लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। जिसने भी यह अपराध किया है, उसे सजा मिलेगी।'

कुछ लोगों ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है, उन्हें समझाया जाए सच्चा हिंदुत्व और देशभक्ति : उद्धव

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को कहा कि कुछ लोगों ने ''अपनी आंखों पर पट्टी बांध रखी है'' और उन्हें यह समझाना जरूरी है कि सच्चा हिंदुत्व और देशभक्ति क्या होती है। वह यहां उपनगरीय बांद्रा स्थित अपने घर मातोश्री के बाहर कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। ठाकरे ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के स्वागत में लगाए गए बैनरों पर उनकी तस्वीर को लेकर कटाक्ष किया और कहा कि मंत्री अपने प्रचार के प्रति जुनूनी हैं। शिंदे शिवसेना के प्रमुख हैं। ठाकरे ने कहा, क्या आप (शिंदे) उनके (स्टार्मर) क़रीब भी पहुंच पाए? वे आत्म-प्रचार में मुग्ध हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर परोक्ष हमला करते हुए उन्होंने कहा, सच्ची देशभक्ति और हिंदुत्व को समझाना ज़रूरी है। कुछ लोगों ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित किसान हताश हैं और सरकार ने उनके लिए छल का पैकेज घोषित किया है। ठाकरे हाल में भारी बारिश और बाढ़ के कारण फसलें गंवाने वाले किसानों के लिए घोषित वित्तीय सहायता का ज़िक्र कर रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे शनिवार को छत्रपति संभाजीनगर में किसानों के लिए 'अपर्याप्त' वित्तीय पैकेज के खिलाफ प्रदर्शन में भाग लेंगे।

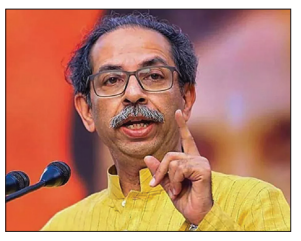

केंद्रीय मंत्री का दावा कहा- उच्च जाति के लोगों को खटकता है दलित समुदाय का सीजेआई होना

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीजेआई के सामने जूता उछालने की घटना पर केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने दावा करते हुए कहा कि यह घटना इसलिए हुई क्योंकि उच्च जाति के कुछ लोग इस बात को स्वीकार नहीं कर सके कि दलित समुदाय से आने वाले न्यायमूर्ति गवई इतने ऊंचे पद पर पहुंच गए हैं। बता दें कि सोमवार को राकेश किशोर नाम के 72 वर्षीय वकील ने कोर्ट में सीजेआई गवई पर जूता फेंकने की कोशिश की थी। हालांकि, तब हरकत में आए सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक लिया था। उस दौरान सीजेआई ने किशोर को जाने देने के लिए कहा था। वहीं, दिल्ली पुलिस ने भी परिसर में लंबी पूछताछ के बाद वकील को छोड़ दिया था।

उन्होंने मांग करते हुए कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई पर जूता फेंकने की कोशिश करने वाले व्यक्ति के खिलाफ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए। प्रमुख दलित

नेता और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री आठवले ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह घटना निंदनीय है। मंत्री ने कहा, प्रधान न्यायाधीश पर हमले का प्रयास पहली बार हुआ है। भूषण गवई दलित समुदाय से हैं और उन्होंने अपनी योग्यता के आधार पर यह पद हासिल किया है। उन्होंने कहा कि उच्च जाति समुदाय के कुछ सदस्य इस तथ्य को पचा नहीं पा रहे हैं।आठवले ने कहा, मैं मांग करता हूं कि आरोपी पर एससी/एसटी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए, क्योंकि न्यायमूर्ति गवई पर इसलिए हमले का प्रयास किया गया क्योंकि वह दलित हैं। इससे पहले किसी भी प्रधान न्यायाधीश पर हमला नहीं हुआ था।

गवई ने गुरुवार को कहा कि वह और जस्टिस के विनोद चंद्रन उस समय स्तब्ध रह गए थे जब छह अक्टूबर को एक वकील ने उन पर जूता फेंकने का प्रयास किया था। प्रधान न्यायाधीश ने जूता फेंकने के प्रयास की घटना पर कहा, सोमवार को जो कुछ हुआ उससे मैं और मेरे विद्वान साथी (न्यायमूर्ति चंद्रन) बहुत स्तब्ध हैं; हमारे लिए यह एक भुलाया जा चुका अध्याय है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने किशोर की सदस्यता खत्म कर दी है। इसके अलावा वकील के सुप्रीम कोर्ट में प्रवेश पर भी रोक लगाई गई है। जूता फेंकने के मामले में आरोपी का कहना है कि वह भगवान विष्णु की मूर्ति को लेकर सीजेआई की तरफ से की गई टिप्पणी से आहत है।

दिल्ली-एनसीआर में बच्चों को दीवाली का जश्न मनाने दें...सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

-राज्यों ने 2 घंटे ग्रीन पटाखे फोड़ने की मांगी परमिशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों के निर्माण और बिक्री की अनुमति से जुड़ी याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान दिल्ली-एनसीआर से जुड़े राज्यों ने सर्वोच्च न्यायालय से आग्रह किया कि इस दीवाली पर सीमित समय के लिए ग्रीन पटाखों को फोड़ने की अनुमति दी जाए, ताकि बच्चे त्यौहार का आनंद ले सकें।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, जिन्होंने राज्यों की ओर से पक्ष रखा, ने कोर्ट से अनुरोध किया कि बच्चों को कम से कम दो घंटे पटाखे फोड़ने की अनुमति दी जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि रात 8 बजे से 10 बजे तक प्रमाणित

ग्रीन पटाखे चलाने की इजाजत दी जा सकती है। मेहता ने कहा, दीवाली बच्चों का त्योहार है। उन्हें दो दिन तो जश्न मनाने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कोर्ट को बताया कि राज्यों की ओर से कुछ व्यावहारिक सुझाव दिए गए हैं, जिन पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अनुमति केवल नेशनल एनवायरमेंट इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनईईआरआई) द्वारा प्रमाणित ग्रीन पटाखों के निर्माण और बिक्री तक सीमित रखी जाए। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 26 सितंबर को अपने आदेश में एनईईआरआई-सर्टिफाइड ग्रीन पटाखों के निर्माण की अनुमति दी थी, लेकिन एनसीआर क्षेत्र में उनकी बिक्री पर रोक बरकरार रखी थी, जब तक कि कोर्ट से स्पष्ट मंजूरी न मिल जाए।

दिल्ली-एनसीआर में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के 16 जिले शामिल हैं, जहां वायु प्रदूषण हर साल दीवाली के बाद खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। इसी वजह से पिछले कुछ वर्षों से अदालत और प्रशासन द्वारा पारंपरिक पटाखों पर प्रतिबंध लगाया गया है।

95 साल से किसी भी भारतीय वैज्ञानिक को नहीं मिला नोबेल पुरस्कार

-कम फंडिंग, नौकरशाही, शोध क्षमताओं के विकास में बाधाओं के कारण भारत पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में काम करने वाले किसी वैज्ञानिक को फिजिक्स, केमिस्ट्री या मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार मिले अब 95 साल हो गए हैं। 1930 में सी वी रमन को फिजिक्स का नोबेल पुरस्कार मिला था, जो आज तक भारत में काम करने वाले किसी वैज्ञानिक को मिला एकमात्र सम्मान है। इसके बाद हरगोविंद खुराना (1968, मेडिसिन), सुब्रह्मण्यम चंद्रशेखर (1983, फिजिक्स) और वेंकटरमन रामकृष्णन (2009, केमिस्ट्री) ने यह पुरस्कार जीता था, लेकिन ये सभी अपने काम के समय भारत से बाहर रहते थे और भारतीय नागरिक नहीं थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत में वैज्ञानिक और शोध क्षमताओं के विकास में कई बाधाएं आती हैं। मूलभूत रिसर्च पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता, सरकारी फंडिंग कम है और नौकरशाही के कारण काम धीमा होता है। निजी क्षेत्र में रिसर्च के लिए प्रोत्साहन और अवसर सीमित है। विश्वविद्यालयों में शोध क्षमता कमजोर है और जनसंख्या के अनुपात में शोधकर्ताओं की संख्या वैश्विक औसत से पांच गुना कम है। यही कारण है कि भारत में नोबेल पुरस्कार के लिए योग्य वैज्ञानिकों का समूह बहुत छोटा है।

भारत से कई वैज्ञानिकों को नोबेल के लिए नॉमिनेट किया गया, लेकिन पुरस्कार नहीं मिला। मेघनाद साहा, होमी भाभा और सत्येंद्रनाथ बोस को फिजिक्स में, जीएन रामचंद्रन और टी शेषाद्रि को केमिस्ट्री में और उपेंद्रनाथ ब्रह्मचारी को मेडिसिन में नामांकित किया गया। जगदीश चंद्र बोस और के एस कृष्णन जैसे वैज्ञानिक अपने अहम योगदान के बावजूद वंचित रहे। ईसीजी सुदर्शन को 1979 और 2005 में भौतिकी के नोबेल पुरस्कार से दो बार वंचित रखा गया। सीएनआर राव के सॉलिड स्टेट केमिस्ट्री में योगदान को भी नोबेल योग्य माना, लेकिन उन्हें अब तक यह सम्मान नहीं मिला है।

वैज्ञानिक पुरस्कारों में अमेरिका और यूरोप का दबदबा ज्यादा रहा है। उत्तरी अमेरिका और यूरोप के अलावा केवल नौ देशों के शोधकर्ताओं ने विज्ञान में नोबेल पुरस्कार जीते हैं। जापान ने 21 पुरस्कार जीतकर एशिया में सबसे ज्यादा जीते हैं। अमेरिका और यूरोप में मजबूत रिसर्च इंफ्रास्ट्रक्चर, वित्तीय सहयोग और बेहतर इको-सिस्टम के कारण वहां के वैज्ञानिकों को नोबेल पुरस्कार जीतने में सफलता मिलती है।

भारत के वैज्ञानिकों को सम्मान नहीं मिलने का कारण केवल पुरस्कार प्रणाली नहीं है। अनुसंधान के लिए फंडिंग, बुनियादी ढांचा और सरकारी समर्थन की कमी ने वैज्ञानिकों के काम को पूरी तरह विकसित होने से रोका है। भविष्य में भारत के वैज्ञानिकों की नोबेल जीत मुख्य रूप से उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा और जुगाड़ पर निर्भर रहेगी, न कि सिस्टम के समर्थन पर।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

चीनी राष्ट्रपति के सियासी दल में शामिल महिला से हुआ अमेरिकी राजनयिक को प्रेम, ट्रंप प्रशासन ने छीनी नौकरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका से एक बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। मामला कुछ इस प्रकार से है कि अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने एक अमेरिकी राजनयिक को केवल इस वजह से नौकरी से निकाल दिया गया क्योंकि उसने एक चीनी महिला से प्रेम संबंध की बात छुपाई थी। बताया जा रहा है कि उस महिला के सीधे संबंध चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी से हैं। यह पहली बार है जब किसी अमेरिकी राजनयिक को इस कारण से निकाला गया है। बता दें कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन ने अपने कार्यकाल के अंतिम दिनों में एक नियम लागू किया था, जिसके तहत चीन में तैनात किसी भी अमेरिकी सरकारी कर्मचारी, उनके परिवार या सुरक्षा क्लियरेंस वाले कॉन्ट्रैक्टर्स को किसी भी चीनी नागरिक से प्रेम या यौन संबंध बनाने पर रोक लगा दी गई थी। मामले में विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि राजनयिक को इसलिए निकाला गया क्योंकि उसने चीनी महिला से अपने रिश्ते को छिपाया था। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इस मामले की समीक्षा की और फिर इस मामले में कार्रवाई की गई है। पिगॉट ने आगे कहा कि विदेश मंत्री रुबियो के नेतृत्व में हम राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने वाले किसी भी कर्मचारी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाएंगे। हालांकि राजनयिक का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन वह और उसकी गर्लफ्रेंड एक गुप्त रूप से बनाए गए वीडियो में नजर आए थे जिसे मशहूर रूढ़िवादी पत्रकार जेम्स ओ'कीफ ने ऑनलाइन पोस्ट किया था।

रेबेका ग्रिनस्पैन संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद के लिए नामित

सैन होजे, एजेंसी। कोस्टा रिका ने अपने लंबे समय से सक्रिय कूटनीतिज्ञ और पूर्व उपराष्ट्रपति रेबेका ग्रिनस्पैन को संयुक्त राष्ट्र का अगला महासचिव बनने के लिए उम्मीदवार के रूप में नामांकित किया है। ग्रिनस्पैन वर्तमान में जेनेवा स्थित यूएन ट्रेड एंड डेवलपमेंट के महासचिव हैं और उन्हें यूक्रेन-रूस युद्ध के दौरान अनाज को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने के संयुक्त राष्ट्र प्रयास में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है। कोस्टा रिका के राष्ट्रपति रॉड्रिगो चावेस ने वीडियो संदेश में कहा कि ग्रिनस्पैन का अनुभव और विकास, अंतरराष्ट्रीय सहयोग तथा क्षेत्रीय नेतृत्व में योगदान बहुपक्षवाद को मजबूत करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। उनका नामांकन आने वाले हफ्तों में संयुक्त राष्ट्र में औपचारिक रूप से दर्ज किया जाएगा।

कांगो में इबोला के नए मामले नहीं मिले : डब्ल्यूएचओ

किंशासा, एजेंसी। दक्षिणी कांगो में फैले इबोला वायरस पर अब नियंत्रण के संकेत दिखाई दे रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया कि 1 अक्तूबर के बाद से कोई नया मामला सामने नहीं आया है। डब्ल्यूएचओके अनुसार, 5 अक्तूबर तक पिछले 10 दिनों में संक्रमण के कोई नए मामले दर्ज नहीं हुए, जिससे संकेत मिलता है कि प्रभावित इलाकों में संक्रमण की श्रृंखला अब टूट रही है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, अब तक कुल 64 मामले (53 की पुष्टि और 11 संदिग्ध) दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 43 लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य एजेंसी ने बताया कि बेहतर लॉजिस्टिक्स, हेलिकॉप्टर से मेडिकल सप्लाई, ग्राउंड डिलीवरी और तीन स्वास्थ्य केंद्रों के डी-कंटेमिनेशन जैसी कार्रवाइयों से संक्रमण पर काबू पाया जा सका है। हालांकि डब्ल्यूएचओ ने सतर्कता बरतने की सलाह दी है क्योंकि लगभग 2,000 संपर्कों पर नजर रखी जा रही है और एक भी छूटा हुआ मामला संक्रमण को फिर से फैला सकता है।

हूस्टन में दो जगहों पर गोलीबारी, चार की मौत

हूस्टन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य के ह्यूस्टन में बुधवार को हुई दो अलग-अलग गोलीबारी की घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई, जिनमें हमलावर भी शामिल है। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच से पता चलता है कि दोनों घटनाएं आपस में जुड़ी हुई हैं। उन्होंने बताया कि पहली वारदात दोपहर लगभग 1 बजे शुगर लैंड उपनगर में हुई, जहां एक व्यक्ति ने अपनी कार से दूसरी गाड़ी पर गोली चलाई। घायल चालक को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि यह रोड रेज (सड़क विवाद) का मामला था या नहीं। करीब आधे घंटे बाद ह्यूस्टन शहर के एक मैकेनिक वर्कशॉप में दूसरी गोलीबारी की सूचना मिली। पुलिस अधिकारी लेरी क्रॉसन के अनुसार, हमलावर ने एक मैकेनिक और एक गवाह को गोली मारी। गवाह उस समय घटना का वीडियो बना रहा था। जांच में दोनों घटनाओं में शामिल वाहन और हमलावर के विवरण समान थे। कुछ समय बाद पुलिस ने हमलावर को उसकी गाड़ी में मृत पाया।

ट्रंप की कोशिशों को लग सकता है झटका, नोबेल मिलने के आसार कम; खुद को भी नहीं है भरोसा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नोबेल पुरस्कार जीतने की कोशिश में जुटे हुए हैं। हालांकि, जानकारों का कहना है कि इस साल ट्रंप की इच्छा पूरे होने के आसार कम हैं। खुद ट्रंप भी कह रहे हैं कि नोबेल कमेटी उनके बजाए किसी और को पुरस्कार देने की वजह खोज लेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति दावा कर रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान समेत 7 युद्ध रुकवाए हैं। एएफपी से बातचीत में स्वीडन के प्रोफेसर पीटर वालेनस्टीन ने कहा, नहीं, ट्रंप इस साल नहीं जीतेंगे। उन्होंने कहा, लेकिन शायद अगले साल? तब तक गाजा संकट समेत उनकी कई पहलों पर स्थिति साफ हो चुकी होगी।

कौन जीत सकता है पुरस्कार : खबर है कि इस साल 338 लोग और संगठन नॉमिनेशन प्रक्रिया में हैं, लेकिन यह सूची गुप्त रखी जाती है। नॉमिनेट करने वालों में सांसद, सरकारी अधिकारी, पूर्व विजेता और कमेटी के सदस्य शामिल होते हैं। साल 2024 में यह पुरस्कार जापान के एटम बम पीड़ितों से जुड़े निहोन हिदान्यको को मिला था। साफ नहीं है कि 2025 की रेस में कौन-कौन है। माना जा रहा है कि सुडान के इमरजेंसी रिस्पॉन्स रूम, रूस के विपक्षी नेता एलेक्सी नवेलनी की विधवा यूलिया नवलनाया और चुनावी गतिविधियों पर नजर रखने वाले ऑफिस फॉर डेमोक्रेटिक इंस्टीट्यूशन्स एंड ह्यूमन राइट्स का नाम दौड़ में शामिल हो सकता है। इनके अलावा संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, यूएनआरडब्ल्यूए के नाम पर मुहर लग सकती है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि इस बार नोबेल कमेटी अपने चुनाव से सभी को चौंका सकती है। भारतीय समयानुसार शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजकर 30 मिनट पर पुरस्कार की घोषणा की जा सकती है।

तो इस बार कौन हो सकता है विजेता : जब ये बात लगभग-लगभग तय मानी जा रही है कि ट्रंप को इस बार नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलने जा रहा है। तो ये सवाल भी लगातार सामने आ रहा है कि अगर ट्रंप नहीं तो कौन? ध्यान रहे कि नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार को दोपहर 2:30 बजे (भारतीय समयानुसार) ओस्लो में की जाएगी। ऐसे में इस पुरस्कार के लिए इस बार 338 व्यक्ति और संस्थाओं को नामांकित किया गया है। हालांकि, नामों की आधिकारिक सूची 50 वर्षों तक गोपनीय रखी जाती है। 2024 में यह पुरस्कार जापान के निहोन हिदानक्यो को मिला था, जो परमाणु हमलों के जीवित बचे लोगों का संगठन है। दूसरी ओर इस बार विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार विजेता के नाम का चयन थोड़ा मुश्किल भी हो सकता है। कारण है कि इस साल की स्थिति बेहद गंभीर है, क्योंकि दुनिया भर में संघर्ष चरम पर हैं। इस्राइल और ईरान की सीधी भिड़ंत, गाजा में संघर्ष, भारत-पाकिस्तान के बीच ड्रोन और मिसाइल हमले, थाईलैंड-कंबोडिया सीमा विवाद जैसी घटनाओं ने माहौल तनावपूर्ण बना दिया है। 2024 में रिकॉर्ड संख्या में राज्य-स्तरीय युद्ध भी हुए थे, जैसा कि स्वीडन की उप्साला यूनिवर्सिटी के डेटा से पता चलता है।

इस साल 338 नामांकनों में कौन हैं प्रमुख दावेदार : 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए कई प्रभावशाली नाम चर्चा में हैं। सूडान की इमरजेंसी रिस्पॉन्स रूम्स, जो युद्ध प्रभावित इलाकों में लोगों की जान बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं, एक मजबूत दावेदार मानी जा रही है। वहीं रूस के विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की विधवा यूलिया नवलनाया भी इस सूची में शामिल हैं, जो अपने पति की विरासत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर आगे बढ़ा रही हैं। इसके अलावा, ऑफिस फॉर डेमोक्रेटिक इंस्टीट्यूशंस एंड ह्यूमन राइट्स , जो चुनाव निगरानी और लोकतंत्र की रक्षा में सक्रिय भूमिका निभा रहा है, भी एक प्रमुख उम्मीदवार है। संयुक्त राष्ट्र की संस्थाएं भी हो सकती हैं पुरस्कार की हकदार वहां कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि नोबेल समिति इस बार वैश्विक व्यवस्था के समर्थन में कोई संदेश देना चाहेगी, खासकर उन नेताओं के खिलाफ जो इसे चुनौती दे रहे हैं, जैसे डोनाल्ड ट्रंप। ऐसे में संभावित विजेताओं की सूची में यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, यूएनएचसीआर (शरणार्थी मामलों की एजेंसी), यूएनआरडब्ल्यूए (फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी) का भी नाम शामिल है।

हालांकि ठीक इसके इतर कुछ का मानना है कि वैश्विक न्याय या प्रेस स्वतंत्रता को लेकर काम करने वाली संस्थाओं को भी इस बार सम्मान मिल सकता है, जिसमें इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट, इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस, कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स और रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स का नाम शामिल है।

अंतरिम सरकार और सहयोगियों के बीच सियासी खींचतान; एनसीपी ने सलाहकार की निष्ठा पर खड़े किये सवाल

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की मुहम्मद युनुस-नेतृत्व वाली अस्थायी सरकार और उसके प्रमुख सहयोगी, छात्र-नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के बीच सियासी खींचतान बढ़ती जा रही है। एनसीपी ने आरोप लगाया कि सरकार के सलाहकार बदलती राजनीतिक परिस्थितियों के बीच सुरक्षित निकास की तलाश कर रहे हैं। हालांकि, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मामलों की सलाहकार सैयदा रिजवाना हसन ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा मैं किसी भी तरह का निकास नहीं ढूंढ रही। मैं अपना शेष जीवन बांग्लादेश में बिताऊंगी। उन्होंने एनसीपी नेताओं से स्पष्ट जवाब की मांग की कि उन्होंने ऐसा आरोप क्यों लगाया। एनसीपी ने ही हसीना को सत्ता से हटाया था एनसीपी ने फरवरी में युनुस के आशीर्वाद से राजनीतिक रूप में अपनी पहचान बनाई। यह पार्टी छात्रों के विरोध आंदोलन ग्रुप की एक बड़ी शाखा है, जिसने पिछले साल की 'जुलाई क्रांति' में हिंसक सड़कों पर प्रदर्शन किया और 5 अगस्त को तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार को सत्ता से हटाया। सुरक्षित निकास पर हंगामा बढ़ा युनुस ने अस्थायी सरकार में छात्रों के तीन प्रतिनिधियों को सलाहकार परिषद में शामिल किया। हालांकि, बाद में युनुस ने एनसीपी का नेतृत्व संभालने के लिए इस्तीफा दे दिया, जबकि दो अन्य सदस्य सलाहकार बने रहे। एनसीपी के अनुसार, कई सलाहकार राजनीतिक दलों के साथ बातचीत कर अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहे हैं। एनसीपी के समन्वयक सरजिस आलम ने कहा कुछ सलाहकार अपनी जिम्मेदारी से बचने के लिए सोच रहे हैं। सुरक्षित निकास का विकल्प केवल मृत्यु में है।

लोग उनका पीछा करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री और अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी इस बीच, बांग्लादेश की विशेष अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री हसीना और 29 अन्य के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। हालांकि, अस्थायी सरकार ने कहा कि वह सभी राजनीतिक दलों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखती है और एनसीपी नेताओं के आरोपों की व्याख्या उनकी जिम्मेदारी है। बांग्लादेश में आगामी फरवरी में राष्ट्रीय चुनावों से पहले यह सियासी उठापटक देश में राजनीतिक अस्थिरता और तनाव की नई लकीर खींच रही है।

बेबी पाउडर से मौत, जॉनसन एंड जॉनसन को देना होगा 8,500 करोड़ का मुआवजा

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिका में लॉस एंजिलिस की अदालत ने जॉनसन एंड जॉनसन को मेसोथेलियोमा कैंसर से मरने वाली एक महिला के परिवार को 8,500 करोड़ रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है। अदालत ने कंपनी को महिला की मौत के लिए उत्तरदायी ठहराते हुए यह जुर्माना लगाया। परिजनों ने दावा किया था कि महिला ने जिंदगी भर कंपनी के बेबी पाउडर इस्तेमाल किया। इसके चलते उन्हें कैंसर हुआ। जूरी ने फैसले में माना, जॉनसन एंड जॉनसन ही महिला मे मूर को हुए कैंसर के लिए जिम्मेदार है। यह एस्बेस्टस से जुड़ा है। जूरी ने मुआवजे के रूप में करीब 140 करोड़ रुपये और सजा के तौर पर 8,360 करोड़ रुपये परिवार को देने का आदेश दिया। मूर का 2021 में 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। परिवार का आरोप था, कंपनी ने पाउडर में कैंसर के जोखिमों को स्पष्ट न कर धोखा दिया। परिवार की वकील जेसिका डीन ने कहा, हमें अदालत में पक्ष साबित करने में पांच साल लगे। मूर ने इस बेबी पाउडर के साथ शावर-टू-शॉवर का पाउडर भी करीब 80 साल तक उपयोग किया था। कंपनी ने 2012 में शावर-टू-शॉवर को वैलेंट फार्मा को 15 करोड़ डॉलर में बेच दिया था। जॉनसन एंड जॉनसन के वैश्विक कानूनी मामले संभालने वाले एरिक हास ने कहा कि हम इस गंभीर फैसले के खिलाफ तुरंत अपील करेंगे। यह फैसला ज्यादातर बेबी पाउडर मामलों से बिल्कुल विरोधाभासी है, जिनमें कंपनी ने जीत हासिल की है।

कंपनी पर हजारों मुकदमे 3 अरब डॉलर किए खर्च : कंपनी ने बेबी पाउडर में मौजूद एस्बेस्टस से मुकदमों से निपटने में 3 अरब डॉलर से ज्यादा खर्च किए हैं। फिर भी कंपनी पर 70,000 से ज्यादा ऐसे मुकदमे लंबित हैं, जिनमें आरोप है कि इसके कारण मेसोथेलियोमा व डिम्बग्रंथि के कैंसर हुए हैं।कंपनी ने इस पाउडर को 2023 में दुनियाभर के बाजारों से वापस ले लिया था। उसने इनसे निपटने के लिए दिवालियापन अदालतों का दरवाजा खटखटाया है, लेकिन उसकी कोशिश तीन बार असफल हो गई है।

ड्रग माफियाओं पर बेरोकटोक कार्रवाई करते रहेंगे ट्रंप! राष्ट्रपति की शक्तियों पर निगरानी का प्रस्ताव खारिज

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट में बुधवार को एक बड़ा राजनीतिक टकराव देखने को मिला। रिपब्लिकन सांसदों ने उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य शक्ति पर नियंत्रण लगाने के लिए लाया गया था। यह प्रस्ताव ट्रंप को मादक पदार्थों के कार्टेल पर आगे की सैन्य कार्रवाई से पहले कांग्रेस से अनुमति लेने के लिए बाध्य करता। इस प्रस्ताव के पक्ष में 48 और विरोध में 51 वोट पड़े। वोटिंग में ज्यादातर रिपब्लिकन सांसदों ने विरोध किया। सिर्फ दो रिपब्लिकन ने समर्थन किया जबकि एक डेमोक्रेटिक सांसद ने विरोध में वोट डाला।

ट्रंप की युद्ध अधिकार की घोषणा : ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में कैरिबियाई क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले जहाजों को निशाना बनाकर सैन्य हमले किए। व्हाइट हाउस का कहना है कि चार जहाज नष्ट किए गए, 21 लोगों की मौत हुई और अमेरिका में पहुंचने वाली बड़ी मात्रा में ड्रग्स को रोका गया। प्रशासन का दावा है कि ड्रग तस्कर सशस्त्र दुश्मन हैं और उन पर युद्ध की तरह कार्रवाई की जा सकती है। लेकिन इस पर कांग्रेस में असहमति गहराती जा रही है।

क्या है वॉर पावर्स रिजॉल्यूशन?

वॉर पावर्स रिजॉल्यूशन ऑफ 1973, एक ऐतिहासिक कानून है, जो वियतनाम युद्ध के बाद बनाया गया था। इसका उद्देश्य राष्ट्रपति को बिना कांग्रेस की अनुमति के युद्ध शुरू करने से रोकना है। इस कानून के तहत राष्ट्रपति को किसी भी सैन्य अभियान के लिए कांग्रेस से स्पष्ट मंजूरी लेनी होती है।

विपक्ष का तर्क- कांग्रेस की शक्ति छीनी जा रही है : डेमोक्रेटिक सांसदों ने कहा कि ट्रंप बिना कांग्रेस की अनुमति के सैन्य हमले नहीं कर सकते। उनके अनुसार यह अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय कानून दोनों का उल्लंघन है। टिम केन और एडम शिफ ने इस प्रस्ताव को पेश किया था। उन्होंने कहा कि इस वोटिंग ने भले ही कानून पास न कराया हो, लेकिन यह एक मजबूत राजनीतिक संदेश गया है कि हर कोई राष्ट्रपति की असीमित शक्ति से सहमत नहीं। रैंड पॉल, जो रिपब्लिकन पार्टी से हैं लेकिन लंबे समय से युद्ध अधिकारों पर कांग्रेस की भूमिका को मजबूत करने के पक्षधर हैं, उन्होंने भी प्रस्ताव का समर्थन किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस को कार्यपालिका को जज, ज्यूरी और जल्लाद बनने की इजाजत नहीं देनी चाहिए। रिपब्लिकन का रुख- देश की सुरक्षा पहले दूसरी ओर, रिपब्लिकन नेताओं ने डेमोक्रेट्स पर आरोप लगाया कि वे राजनीतिक खेल खेल रहे हैं। जिम रिस्क, जो सीनेट फॉरेन रिलेशंस कमेटी के प्रमुख हैं, ने कहा कि ड्रग्स अमेरिकी नागरिकों को मारने का हथियार बन चुके हैं। उन्होंने कहा, जो जहाज नष्ट किए गए, उनमें जो जहरीला माल था वो अब समुद्र की गहराइयों में है। मार्को रूबियो ने रिपब्लिकन सीनेटरों को समझाने के लिए लंच मीटिंग में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि कई कार्टेल अब कैरेबियाई देशों के बड़े हिस्सों पर कब्जा कर चुके हैं और वे सरकारों की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ये संगठन अमेरिकी सड़कों पर हिंसा और अपराध फैला रहे हैं। राष्ट्रपति का कर्तव्य है कि वह देश की रक्षा करे। सीनेट सशस्त्र सेवा समिति को पिछले हफ्ते ट्रंप प्रशासन ने एक गोपनीय ब्रीफिंग दी थी।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए कई रक्षा समझौते, राजनाथ सिंह और रिचर्ड मार्ल्स रहे मौजूद

कैनबरा, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस की उपस्थिति में प्रमुख रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर किए है। बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दो दिवसीय दौरे के तहत बीते दिन सिडनी पहुंचे थे। ऑस्ट्रेलिया और भारत की रक्षा साझेदारी लगातार हो रही मजबूत इस समझौते के बाद ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ऑस्ट्रेलिया और भारत की रक्षा साझेदारी लगातार मजबूत होती जा रही है - जो विश्वास, साझा हितों और शांतिपूर्ण, सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति प्रतिबद्धता पर आधारित है। ऑस्ट्रेलिया-भारत रक्षा मंत्रियों की पहली वार्ता के लिए भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की पहली ऑस्ट्रेलिया यात्रा पर उनसे मिलकर बहुत खुशी हुई। समझौते पर ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री का बयान वहीं इस समझौते के बाद ऑस्ट्रेलियाई उप-प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने कहा, मुझे लगता है कि आज का दिन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि हम जो गहरा विश्वास और रणनीतिक तालमेल देख रहे हैं, वह अब दोनों रक्षा बलों के बीच कहीं अधिक गहन परिचालन स्तर की सहभागिता में व्यक्त हो रहा है। हमारे परिचालन कमांडों के बीच स्टाफ वार्ता के संदर्भ में हमने जो समझौता किया है, वह अत्यंत महत्वपूर्ण है... हम इसे लेकर बहुत उत्साहित हैं। कैनबरा में रक्षा और रणनीतिक सहयोग पर मंथन इसके अहम रक्षा समझौते के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने कार्यक्रमों के तहत ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा पहुंचे, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच रक्षा और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करना है। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के सहायक रक्षा मंत्री पीटर खलील और संयुक्त अभियान प्रमुख वाइस एडमिरल जस्टिन जोन्स ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री से मिले राजनाथ सिंह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा स्थित संसद भवन में ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज और ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स से मुलाकात की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स तथा दोनों पक्षों के वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों के साथ कैनबरा, ऑस्ट्रेलिया के संसद भवन में बैठक की। बाद में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज भी बैठक में शामिल हुए। ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री से राजनाथ सिंह की मुलाकात वहीं कैनबरा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग से मुलाकात और उनके साथ एक उच्च स्तरीय बैठक भी की है। इसके बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई युद्ध स्मारक का भी दौरा किया।

गाजा में इस्राइली ठिकानों पर आतंकी हमला नाकाम, आईडीएफ की जवाबी कार्रवाई में कई दहशतगर्द ढेर

गाजा, एजेंसी। गाजा में आतंकवादियों ने बुधवार को इस्राइल डिफेंस फोर्स की सुरक्षा पोस्ट्स पर हमला करने का प्रयास किया। आईडीएफ ने कहा कि उन्होंने कई आतंकवादियों को समाप्त कर दिया और इस घटना में आईडीएफ के किसी भी सैनिक को कोई चोट नहीं आई। आईडीएफ ने अपने एक्स अकाउंट पर बताया कि गाजा शहर क्षेत्र में कई आतंकवादियों ने आईडीएफ पोस्ट पर हमला करने का प्रयास किया। आईडीएफ सैनिकों ने वायुसेना के सहयोग से कई आतंकवादियों को समाप्त कर दिया। अतिरिक्त आतंकवादियों की खोज जारी है। इस घटना में आईडीएफ सैनिक सुरक्षित हैं। इस सप्ताहांत हो सकती है ट्रंप की मध्य पूर्व यात्रा इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वे इस सप्ताहांत मध्य पूर्व जा सकते हैं। उनका यह संभावित दौरा गाजा में बंदी-बदल समझौते और संघर्षविराम वार्ता के बीच हो सकता है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा शांति समझौता बहुत नजदीक है और मैं शनिवार को वहां जा सकता हूं। हमारी टीम बहुत अच्छी तरह से वार्ता कर रही है। ट्रंप ने कहा मध्य पूर्व के लिए शांति एक सुंदर विचार है और हम आशा करते हैं कि यह साकार होगा। हमारी टीम और विपक्ष की टीम दोनों ही उत्कृष्ट हैं। मुझे लगता है कि यह जल्द ही होगा। इस्राइल के विदेश मंत्री ने की बैठक की आलोचना इस्राइल के विदेश मंत्री गिडियन सार ने शुक्रवार को पेरिस में होने वाली बैठक की कड़ी आलोचना की, जिसमें यूरोपीय, अरब और अन्य राजदूत गाजा के युद्धोपरांत संक्रमण और स्थायी संघर्षविराम के प्रयासों पर चर्चा करेंगे। सार ने इस पहल को अनावश्यक और हानिकारक बताया और कहा कि यह शार्म एल-शेख में चल रही वार्ता के संवेदनशील समय में इस्राइल की पीठ पीछे तैयार की गई। सार ने एक्स पर लिखा कि हम इसे राष्ट्रपति माक्रों का एक और प्रयास मानते हैं, जो अपने घरेलू मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए इस्राइल का उपयोग कर रहे हैं। इस घटना के बाद गाजा में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और दोनों पक्षों द्वारा कूटनीतिक प्रयासों के बावजूद इलाके में संघर्ष की आशंका बनी हुई है।

हमास-इजराइल शांति समझौते के पहले चरण पर सहमत

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। गाजा में दो साल से चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए इजराइल और हमास ने अमेरिका की मध्यस्थता वाले शांति समझौते (पीस डील) के पहले चरण पर सहमति जताई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। ट्रम्प ने सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर लिखा, जल्द ही सभी बंधकों को रिहा किया जाएगा और इजराइल अपनी सेना को एक तय लाइन तक वापस बुलाएगा। यह मजबूत और स्थायी शांति की दिशा में पहला कदम है। फॉक्स न्यूज से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा पहले चरण के तहत गाजा में इजराइल के बंधक बनाए गए लोगों को सोमवार तक रिहा किए जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, हमें लगता है कि वे सभी सोमवार को वापस आ जाएंगे। वहीं, इस हफ्ते के आखिर तक ट्रम्प मिस्र जा सकते हैं। समझौते के 72 घंटे के अंदर बंधकों की रिहाई होगी यह समझौता मिस्र में 8 अक्टूबर को हुई इनडायरेक्ट बातचीत के बाद हुआ है। समझौते में गाजा से इजराइली सेना की वापसी और कैदियों की अदला-बदली शामिल है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, समझौते के लागू होने के 72 घंटे के भीतर लगभग 2,000 फिलिस्तीनी कैदियों के बदले सभी जीवित इजराइली बंधकों को रिहा किया जाएगा। इजराइल सरकार के प्रवक्ता ने रॉयटर्स को बताया कि इजराइल को उम्मीद है कि बंधकों की रिहाई जल्द शुरू होगी। बंधकों की रिहाई में मृत लोगों के शव भी शामिल हैं। कतरी मध्यस्थों ने भी समझौते की पुष्टि की है। हालांकि, इसके आगे की जानकारी बाद में घोषित करने की बात कही। कैदियों की रिहाई के बदले इजराइल गाजा से अपनी सेना पीछे हटाएगा। हमास ने ट्रम्प और गारंटर देशों से अपील की है कि वे इजराइल से समझौते का पूरी तरह पालन करवाएं। इसपर ट्रम्प ने कहा कि सभी पक्षों के साथ एक जैसा व्यवहार

किया जाएगा। इसके साथ ही ट्रम्प ने कतर, मिस्र और तुर्किये को मध्यस्थता के प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, यह अरब, इजराइल, अमेरिका और आसपास के सभी देशों के लिए एक महान दिन है। ट्रम्प ने 5 अक्टूबर को इजराइल की वापसी को दिखाते हुए एक मैप भी शेयर किया था। इसने उन्होंने पीली लाइन के जरिए बताया की इजराइली सेना पहले चरण में वहां तक पीछे हटेगी। बता दें कि इस संघर्षविराम के पहले चरण के तहत, हमास सात अक्तूबर 2023 के हमले के बाद बंदी बनाए गए 48 इस्राइली नागरिकों को रिहा करेगा। हालांकि, इनमें से केवल लगभग 20 लोगों के जीवित होने की उम्मीद है। इसके बदले में इस्राइल सैकड़ों फलस्तीनियों को रिहा करेगा, जिनमें महिलाएं, बच्चे और आजीवन कारावास की सजा पाए हुए कैदी शामिल होंगे। पहले के समझौतों के आधार पर, एक इस्राइली बंधक के बदले कम से कम 100 फिलिस्तीनी रिहा किए जाएंगे। इतना ही नहीं समझौते के तहत जब तक दोनों पक्ष पूर्ण संघर्षविराम की शर्तों को नहीं मान लेते, तब तक सभी सैन्य गतिविधियां, जैसे हवाई और तोपों से गोलाबारी रोक दी जाएंगी और सेना अपनी जगह स्थिर रहेगी। व्हाइट हाउस के अनुसार, जब सभी बंधकों को रिहा कर दिया जाएगा, तब इस्राइल 250 आजीवन कारावास पाए हुए फलस्तीनी कैदियों और हमास हमले के बाद हिरासत में लिए गए 1,700 गाजावासियों को छोड़ेगा। इसके अलावा प्रत्येक मृत इस्राइली बंधक के शव के बदले इस्राइल 15 मृत गाजावासियों के शव लौटाएगा। ट्रंप की योजना के तहत, समझौते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने के 72 घंटे के भीतर सभी बंधक, चाहे जीवित हों या मृत रिहा कर दिए जाएंगे। कतर के विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि इस पहले चरण में गाजा में राहत सामग्री और जरूरी सहायता भी पहुंचाई जाएगी, जहां अब भुखमरी जैसे हालात हैं। वहीं इस संघर्ष विराम को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसे ऐतिहासित बताया। उन्होंने ट्रूथ सोशल पर पोस्ट साझा करते हुए कहा कि यह अरब, मुस्लिम देश, इस्राइल, आसपास के सभी देशों और अमेरिका के लिए महान दिन है। हम कतर, मिस्र और तुर्की के मध्यस्थों का धन्यवाद करते हैं। गौरतलब है कि गाजा में संघर्ष की शुरुआत दो साल पहले सात अक्तूबर 2023 को हमास का इस्राइल पर हमला करने के साथ हुई थी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

200 करोड़ के साइबर फ्रॉड केस में दो भाइयों की गिरफ्तारी

लोन कंसल्टेंसी की आड़ में बैंक खातों की किट सप्लाई करते थे,नोट गिनने की मशीन और स्टैम्प्स जब्त

गुजरसीटोक केस में थे वॉन्टेड

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर की चौकबाजार पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने दुबई से संचालित होने वाले अंतरराष्ट्रीय साइबर क्राइम नेटवर्क "मिलन दर्जी गैंग" के दो प्रमुख सदस्यों को गिरफ्तार किया है। 200 करोड़ रुपये के इस साइबर फ्रॉड में आरोपी च्वलोन कंसल्टेंसीज़ का धंधा चलाने के नाम पर गैंग को बैंक अकाउंट की किट सप्लाई करते थे। ये दोनों आरोपी पिछले 9 महीनों से गुजरसीटोक (GUJCTOC) जैसे गंभीर अपराध के तहत फरार चल रहे थे। पुलिस ने उन्हें कतारगाम के पॉश इलाके से पकड़ा, जहां से नोट गिनने की मशीन और अन्य आपराधिक सामग्री बरामद की गई।

ज़ोन-3 लोकल क्राइम ब्रांच और चौकबाजार पुलिस की संयुक्त टीम ने कतारगाम के उदयनगर क्षेत्र में छापा मारा। सिद्धि विनायक अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 501 से गिरफ्तार दोनों भाइयों के पास से जो सामग्री मिली, वह उनके आपराधिक नेटवर्क की व्यापकता को दर्शाती है।

बरामद सामग्री में नोट गिनने की मशीन, Paytm PoS मशीन, लैपटॉप, Wi-Fi राउटर, IP कैमरा, SBI चेकबुक और विभिन्न स्टैम्प शामिल हैं। यह स्पष्ट करता है कि यह फ्लैट केवल रहने की जगह नहीं था, बल्कि साइबर क्राइम से अर्जित धन के लेनदेन के लिए एक संगठित अपराध केंद्र था।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान निखिल दिनेशभाई मकवाणा (26) और प्रीतिक दिनेशभाई मकवाणा (20) के रूप में हुई है। दोनों भाई "लोन कंसल्टेंसी" के नाम पर अवैध गतिविधियाँ चला रहे थे। गैंग में निखिल की भूमिका सबसे अहम थी, क्योंकि उसका सीधा संपर्क गैंग लीडर मिलन उर्फ कानो वाघेला से था।

निखिल जरूरतमंद या भोले-भाले लोगों को सस्ते में लोन दिलाने का झांसा देकर उनके नाम से बैंक खाते खुलवाता था। खाते खुलवाने के बाद निखिल उन खातों की चेकबुक, एटीएम कार्ड और ऑनलाइन एक्सेस किट खातेधारक से ले लेता था। बाद में वह इन "अकाउंट किट्स" को मुख्य सरगना मिलन वाघेला और उसके साथियों — जैसे अजय इतालिया, जल्पेश नडियादरा और विशाल ठुम्मर — को ऊंचे कमीशन पर बेच देता था।

निखिल की यह भूमिका गैंग को ठगी से कमाए गए पैसों को "डमी अकाउंट्स" के ज़रिए आसानी से ट्रांसफर करने की सुविधा देती थी। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि वह गोधरा साइबर क्राइम केस में भी वॉन्टेड था।

अपने ही बिल्डिंग में रहने वाली किशोरी पर बुरी नीयत

युवक जबरदस्ती छत पर बुलाकर छेड़छाड़ करता था साथी नीचे पहरेदारी करते थे-मारपीट भी की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के डिंडोली इलाके में नाबालिग से छेड़छाड़ और परिवार को जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी रवि गौड़ और उसके दो दोस्तों मुन्ना व कालिया के खिलाफ मामला दर्ज किया है। किशोरी ने पुलिस के सामने खुलासा किया कि ये दोनों दोस्त मुख्य आरोपी की आपराधिक हरकत में उसकी मदद करते थे।

किशोरी पर बुरी नीयत रखकर जबरदस्ती छत पर बुलाता था

मोरारजी कॉलोनी में रहने वाला रवि गौड़ उर्फ बाया गौड़ नाम का युवक अपनी ही बिल्डिंग में रहने वाली १६ वर्षीय युवती को निशाना बनाता था। किशोरी के बयान के अनुसार, रवि गौड़ अकेला नहीं था, बल्कि उसके दो दोस्त मुन्ना और कालिया भी इस आपराधिक कृत्य में सक्रिय रूप से शामिल थे। मुख्य आरोपी रवि गौड़ किशोरी पर बुरी नीयत रखकर जबरदस्ती छत पर बुलाता था और उसके साथ शारीरिक छेड़छाड़ करता था। किशोरी ने बताया कि रवि पहले भी तीन बार उसके साथ छेड़छाड़ कर चुका था।

आरोपी के साथी दालान के पास खड़े होकर पहरेदारी करते थे

जब भी रवि गौड़ किशोरी को मिलने के लिए छत पर बुलाता था, उसके साथी आरोपी मुन्ना और कालिया नाम के दोनों युवक दालान (सीढ़ियों) के पास खड़े होकर पहरेदारी करते थे। उनका मुख्य उद्देश्य यह था कि कोई अन्य व्यक्ति छत पर न जाए और रवि अपने कृत्य को अंजाम दे सके।

किशोरी और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी थी

घटना वाले दिन, जब किशोरी की मां ने रवि गौड़ को छेड़छाड़ करते हुए पकड़ लिया, तो रवि गुस्से में आकर महिला को गालियां देने लगा और धमकी दी। किशोरी के बयान के अनुसार, तीनों दोस्त — रवि, मुन्ना और कालिया — ने मिलकर किशोरी की पिटाई भी की थी। इतना ही नहीं, जब किशोरी को इलाज के लिए ले जाया जा रहा था, तब भी इन तीनों युवकों ने किशोरी और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी थी।

रवि गौड़ को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू

किशोरी की मां की शिकायत पर डिंडोली पुलिस ने मुख्य आरोपी रवि गौड़, मुन्ना और कालिया के खिलाफ छेड़छाड़, मारपीट, धमकी देने और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस ने मुख्य आरोपी रवि गौड़ को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है, जबकि उसके साथी मुन्ना और कालिया फरार बताए गए हैं। पुलिस उन्हें पकड़ने के लिए जांच-पड़ताल कर रही है।

सस्ते सोने की स्कीम से लोगों को 99 लाख का चूना लगाने वाला गिरफ्तार

तीन साल से फरार आरोपी वृशील वोहरा पकड़ा गया, बहन-जीजा-साले की गैंग ने कई लोगों को बनाया शिकार

सोने का व्यापारी बनकर लोगों का विश्वास जीतता था

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दिवाली से पहले सूरत शहर में क्राइम ब्रांच ने वॉन्टेड अपराधियों को पकड़ने के अभियान की शुरुआत की है।

इसी अभियान के तहत पुलिस ने तीन साल से फरार एक हाई-प्रोफाइल आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस आरोपी ने अपनी बहन और जीजा के साथ मिलकर सोने में निवेश के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी की थी। इस आरोपी की कार्यप्रणाली बेहद चालाकीभरी थी — पहले विश्वास जीतना और फिर बड़ी रकम हड़प लेना।

सूरत क्राइम ब्रांच ने DCB पुलिस स्टेशन में दर्ज 99 लाख की ठगी के मामले में आरोपी वृशील चिनुभाई वोहरा को गिरफ्तार किया है। आरोपी सूरत के पाल, अठवालाइन्स और अडाजन जैसे पॉश इलाकों में रहता था और मूल रूप से थराद का निवासी है।

यह गैंग एक तयशुदा तरीके से अपराध करती थी। वृशील वोहरा और उसके साथी — बहन परी चिनुभाई वोहरा और जीजा संजय भीमजीभाई सोनी — खुद को बड़े सोने के व्यापारी बताकर लोगों से संपर्क करते थे। वे पहले पीड़ित से दोस्ती करते, व्यापारिक संबंध बनाते और फिर विश्वास हासिल करते। इसके बाद वे बाजार भाव से 30% कम कीमत पर सोना मिलने की "स्कीम" बताते थे।

शुरुआत में वे शिकायतकर्ता को कम दाम पर थोड़ा सोना देकर उसका विश्वास जीतते थे। जब पीड़ित को वास्तविक लाभ होता, तो उसे यह स्कीम सच्ची लगती थी। बाद में वे उसी व्यक्ति से बड़ी रकम निवेश के रूप में ले लेते थे। एक बार पैसा मिलने के बाद वे न तो सोना देते थे और न ही रकम लौटाते थे। यदि शिकायतकर्ता पैसे मांगता, तो उसे झूठे केस में फंसाने की धमकी देते थे।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि इस गिरोह का मुख्य आरोपी संजय भीमजीभाई सोनी हाल ही में पालनपुर LCB द्वारा डीस्सा में लाखों रुपये की नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया गया था। इससे स्पष्ट होता है कि यह गैंग केवल सोने की ठगी तक सीमित नहीं थी, बल्कि नकली मुद्रा के धंधे में भी शामिल थी। पुलिस जांच में सामने आया है कि इस गैंग ने पूरे गुजरात में लोगों को सस्ते सोने में निवेश के नाम पर ठगा है। कई लोग इस गैंग के शिकार बने हैं और मामले की आगे जांच जारी है।

वृशील वोहरा पिछले तीन साल से वॉन्टेड था और कोर्ट ने उसके खिलाफ CRPC की धारा 70 के तहत वारंट जारी किया था। क्राइम ब्रांच ने उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे 13 अक्टूबर 2025 तक पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। फिलहाल उससे पूछताछ जारी है, ताकि गुजरात में इस गिरोह द्वारा किए गए अन्य अपराधों की जानकारी मिल सके।

नगर निगम की दिवाली की झिलमिलाती तैयारी

49 लाख की लागत से मुख्य सड़कों, पुलों और सरकारी इमारतों को LED लाइटिंग से सजाने की योजना

स्थायी समिति ने प्रस्ताव को मंजूरी दी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

प्रकाश के पर्व दिवाली के भव्य उत्सव में हमेशा अग्रणी रहने वाले सूरतवासी अब नगर निगम के साथ मिलकर इस बार की दिवाली को और भी खास बनाएंगे। आगामी दिवाली पर्व को ध्यान में रखते हुए सूरत नगर निगम ने शहर की मुख्य सड़कों, पुलों और प्रमुख सरकारी इमारतों को आकर्षक रोशनी से सजाने की तैयारी शुरू कर दी है। इस काम पर करीब 49 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे, जिसके प्रस्ताव को निगम की स्थायी समिति ने मंजूरी दे दी है। यह निर्णय सूरत को "झिलमिलाता सूरत" बनाने के प्रयासों को और गति देगा।

सूरतवासी हर त्योहार की तरह प्रकाश के पर्व दिवाली को भी धूमधाम से मनाते हैं। दिवाली नजदीक आते ही शहर के हर घर और अपार्टमेंट में रोशनी का सुंदर नजारा देखने को मिलता है। इस निजी उत्सव के साथ-साथ शहर की सुंदरता बढ़ाने के उद्देश्य से नगर निगम की मुख्य कार्यालय, सभी ज़ोनल कार्यालय, शहर के प्रमुख पुलों और सार्वजनिक स्थलों को आकर्षक लाइटिंग से सजाने की योजना बनाई गई है।

हर साल की तरह इस साल भी दिवाली के दौरान नगर निगम की इमारतें रोशनी से जगमगा उठेंगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सूरत नगर निगम की स्थायी समिति ने 20 अक्टूबर से 23 अक्टूबर के बीच निगम की संपत्तियों पर लाइटिंग के लिए 49 लाख रुपये के खर्च के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस खर्च में लाइटिंग की खरीद, किराये की व्यवस्था, इंस्टॉलेशन और मेंटेनेंस शामिल हैं। इस सजावट में मुख्य रूप से स्पष्ट लाइटें, फैंसी स्ट्रिंग लाइटें और थीम आधारित रोशनी का उपयोग किया जाएगा।

सूरत शहर के प्रमुख स्थलों पर लाइटिंग की जाएगी। इनमें सूरत नगर निगम का मुख्य कार्यालय, सभी ज़ोनल कार्यालय, सरदार ब्रिज, गौरव पथ ब्रिज, वेसु-डुमस रोड ब्रिज, प्रमुख सर्कल, महत्वपूर्ण गार्डन और सार्वजनिक चौक शामिल हैं। निगम अधिकारियों ने बताया कि यह रोशनी शहर के माहौल में उत्सव का रंग भरेगी और कोरोना काल के बाद अब त्योहारों की रौनक को और अधिक उत्साह के साथ मनाने का अवसर प्रदान करेगी।

ताड़ी पीने गए युवक की रहस्यमय मौत

रासायनिक-सफेद बोतलें और ताड़ी का गुप्त ठिकाना बरामद परिवारजनों का आरोप - ताड़ी के कारण हुई मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के इच्छापोर इलाके में ताड़ी पीने गए 18 वर्षीय युवक की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत ने सनसनी फैला दी। युवक की मौत के बाद गुस्साए परिवारजनों और स्थानीय लोगों ने ताड़ी बेचने वाले के घर पर जनता रेड किया और ताड़ी के गैरकानूनी धंधे का पर्दाफाश किया। इस दौरान ताड़ी के ठिकाने पर रासायनिक-सफेद रंग की बोतलें भी मिलीं, जिससे यह आशंका जताई गई कि ताड़ी में कोई हानिकारक रसायन इस्तेमाल हुआ हो। जनता रेड में कई बॉटल और पैक किए हुए ताड़ी के बर्तन भी बरामद हुए। शुरुआती जांच में पुलिस की धीमी प्रतिक्रिया के कारण स्थानीय लोगों में भारी रोष देखा गया।

घटना गुरुवार (9 अक्टूबर) दोपहर को इच्छापोर के भाठागाम में हुई। इच्छापोर की बंबई कॉलोनी में रहने वाला 18 वर्षीय राहुल उर्फ रोहित कचेनभाई राठौड़ अपने दोस्तों के साथ ताड़ी पीने गया था। रिश्तेदारों के अनुसार, ताड़ी पीते समय दोस्तों के बीच मजाक-मस्ती में गाली-गलौज हुई, जो झगड़े में बदल गई और बाद में मारपीट हो गई। मारपीट के बाद राहुल की तबियत अचानक बिगड़ गई और वह ढलकर गिर गया।

बेहोश राहुल को तुरंत 108 एम्बुलेंस से नई सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार का आरोप है कि राहुल की मौत ताड़ी पीने के कारण हुई, क्योंकि शरीर पर मारपीट के कोई निशान नहीं थे और घटना ताड़ी के ठिकाने पर हुई थी।

राहुल की मौत से उसके परिवार और गांव में गुस्सा फैल गया। लोगों को संदेह था कि राहुल की मौत केवल बीमारी से नहीं, बल्कि दोस्तों के साथ हुई मारपीट के कारण हुई, और यह घटना ताड़ी के ठिकाने पर हुई थी। इस पर गुस्साए लोगों ने ताड़ी बेचने वाले के घर की ओर कूच किया।

स्थिति को नियंत्रण में लाने से पहले ताड़ी बेचने वाला परिवार घर छोड़कर भाग गया। इसके बाद परिवार और ग्रामीणों ने मिलकर ताड़ी बेचने वाले के घर का दरवाजा तोड़ा और अंदर प्रवेश कर जनता रेड की। अंदर प्रवेश करने पर उन्हें बड़ी मात्रा में पैक किए हुए ताड़ी के बर्तन और ताड़ी बनाने का अन्य सामान मिला।

जनता रेड के दौरान ताड़ी के ठिकाने पर कई सफेद बोतलें मिलीं। बोतलों के पास हरे रंग का लेबल भी था, जिस पर Global Agri Genetic India Private Limited लिखा था। इस कंपनी के बारे में जानकारी लेने पर पता चला कि यह दक्षिण भारत की उर्वरक (fertilizer) बनाने वाली कंपनी है। इससे स्थानीय लोगों ने ताड़ी में रसायन या अन्य किसी चीज के मिश्रण की आशंका जताई। पुलिस फिलहाल जांच कर रही है कि ये सफेद बोतलें ताड़ी बनाने में इस्तेमाल हुई थीं या खेतों में।

स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम (112) पर कॉल करके पूरी घटना की जानकारी दी। लोगों के दबाव के बाद इच्छापोर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। हालांकि, शुरुआती तौर पर पुलिस ने केवल ताड़ी का सामान जब्त किया और गैरकानूनी गतिविधियों पर कार्रवाई नहीं की। लोगों के गुस्से और मीडिया के ध्यान के बाद पुलिस ने तत्काल कानूनी कार्रवाई शुरू की।

"माही वे, चाँद वर्गा" करवा चौथ कार्यक्रम का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा शुक्रवार को करवाचौथ के अवसर पर "माही वे चांद वर्गा" कार्यक्रम का आयोजन सिटीलाइट स्थित अग्रसेन पैलेस के द्वारका हॉल में किया गया। कार्यक्रम में दो सौ से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया। महिला शाखा की अध्यक्षा रुचिका रुंगटा ने बताया की कार्यक्रम बॉलीवुड ब्राइड की थीम पर रखा गया, जिसमें सभी महिलाएँ खूब सज धज कर आई। आयोजन में महिलाओं ने रैंपवॉक, गेम्स बेस्ट ड्रेस आदि में भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को गिफ्ट्स वितरित किए गए। इस मौके पर महिला शाखा की प्रीति गोयल, नेहा अग्रवाल, लीना चौधरी सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।